डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका परिवार की ओर से सभी पाठकों को रमज़ान की दिली मुबारकबाद

रॉयल पत्रिका

सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 07 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 17 मार्च से 23 मार्च 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 5 रुपए

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दादी बोलने पर चार दिन विधानसभा नहीं चलने दी कांग्रेस ने

-वहीं कांग्रेस विधायक रफीक खान को पाकिस्तानी कहने पर चुप्पी साधे हुए हैं

-कांग्रेस का मुस्लिम के प्रति सौतेलापन नहीं है तो क्या है?

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। भाजपा सरकार के एक मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी को विधानसभा में कांग्रेस की दादी बोल दिया था। फिर क्या था कांग्रेस विधायकों ने राजस्थान विधानसभा को चार दिन तक ठप्प रखा और विधानसभा अध्यक्ष की काफी कोशिश के बाद भी विधानसभा को नहीं चलने दिया। यह सही कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भारत देश की आयरन लेडी कहा जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का साहस ही था जिसके कारण पाकिस्तान का बंटवारा हो गया था। इसलिए कटाक्षरूप से ही सही उनके बारे में गलत बोलना सही नहीं है। वैसे दादी शब्द असंसदीय नहीं है लेकिन यह शब्द कटाक्षरूप में बोला गया था।

दूसरी तरफ वहीं कांग्रेस आदर्श नगर विधानसभा से दो बार जीते हुए विधायक रफीक खान को पाकिस्तानी कहने पर चुप्पी साधे हुए हैं। विधायक रफीक खान दो बार पार्टी के टिकट पर तो जीते है साथ ही उनके पिता विख्यात देशभक्त कवि भी रहे हैं। जिन्होंने अकाल के समय भूखे, प्यासे लोगों के लिए चंदा इकट्ठा करने में मदद की थी। विधायक रफीक खान को सिविल लाईन विधायक गोपाल शर्मा ने भरे सदन में पाकिस्तानी बोला। गोपाल शर्मा उच्च शिक्षा प्राप्त विधायक हैं और एक लंबे समय तक उन्होंने पत्रकारिता की है और समाज और नैतिकता की समझ होने के बावजूद उन्होंने विधायक रफीक खान को पाकिस्तानी बोला। विधायक गोपाल शर्मा का यह आचरण कांग्रेस और जनता के अलावा उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी पसंद नहीं आया होगा। विधानसभा अध्यक्ष ने भी सत्ता पक्ष के विधायक पर कोई कार्यवाही नहीं की है और कांग्रेस विधायकों ने भी कार्यवाही के लिए कोई दबाब नहीं बनाया है। कांग्रेस के ऐसे रवैये से लगने लगा है कि कांग्रेस पार्टी मुस्लिम नेताओं और मुस्लिम वोटरों का अपने हित में उपयोग करना जानती है। जब मुस्लिम जनता और मुस्लिम नेताओं के लिए कुछ करने की बारी आती है तो चुप्पी साथ लेती है।

पाकिस्तानी कहने पर भावुक हुए रफीक खान:-

विधायक रफीक खान पत्रकारों के सामने काफी भावुक हो गए और रोने लगे। बात रोने की है भी क्योंकि जब सब कुछ देश समाज और प्रदेश के लिए किया जा रहा है फिर भी पाकिस्तानी बोला गया जो उचित नहीं है। पाकिस्तानी भारत के दुश्मन लोगों के लिए प्रयोग में लिया जाने वाला शब्द है। क्या विधायक खान पाकिस्तान के नागरिक हैं, क्या वे भारत के खिलाफ साजिश करते हैं, क्या विधायक गोपाल शर्मा के पास खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट है जिसके आधार पर पाकिस्तानी बोला गया? यदि ऐसा नहीं है तो विधानसभा में उनकों अपने शब्द वापस लेना चाहिए। क्योंकि सभी जानते हैं कि रफीक खान सभी समाजों, धर्म के लोगों को साथ लेकर चलने वाले व्यक्ति हैं। विधायक रफीक खान को पाकिस्तानी शब्द से कितनी ठेस एवं दुख पहुंचा है कि वे पत्रकारों के सामने रो पड़े। दूसरी तरफ विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी बनती है कि वे अपने सदन के विधायक के सम्मान को वापस दिलाए।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की मुलाकात

- राजस्थान पर्यटन स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े बिंदुओं पर हुई चर्चा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ उनके नई दिल्ली स्थित कार्यालय में सोमवार को उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने भेंट कर राजस्थान पर्यटन विकास, पर्यटन स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कई बिंदुओं पर चर्चा की, जिनको केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने पूरी सकारात्मकता से सुना और चर्चा के बिंदुओं को अमली जामा पहनाने का आश्वासन भी देने के साथ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ हुई मीटिंग के बिंदुओं को समाहित करते हुए, राजस्थान में पर्यटन के विकास, नए आयाम तलाशने, सीमावर्ती इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा देने, ट्राइबल टूरिज्म और रूरल टूरिज्म को लेकर चर्चा की। साथ ही राजस्थान में माइस सेंटर्स के विकास को लेकर भी बातचीत हुई। उपमुख्यमंत्री ने प्रदेश के पर्यटन को बढ़ाने के साथ ही शेखावाटी इलाके में हवेलियों के संरक्षण एवं पर्यटन की अपार संभावनाओं पर भी चर्चा की। राजस्थान में पर्यटन की विभिन्न मांगों को लेकर उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री को पत्र भी सौंपा।

डॉ. किरोडी ने राजा हसन खां मेवाती के 499 वें शहादत दिवस कार्यक्रम में की शिरकत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री व अलवर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने सोमवार को अलवर जिले के तेलियाबास, कौलाणी (रघुनाथगढ) में शहीद राजा हसन खां मेवाती के 499वें शहादत दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। कृषि मंत्री डॉ. मीणा ने महान राष्ट्रभक्त योद्धा राजा हसन खां मेवाती को नमन कर आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि मेवात की संस्कृति साझा संस्कृति के रूप में अनूठी पहचान लिए हुए है। उन्होंने कहा कि राजा हसन खां मेवाती ने बाबर जैसे आक्रांताओं के विरूद्ध मातृभूमि के लिए खानवा के युद्ध में राणा सांगा की तरफ से लड़ते हुए वीरता, पराक्रम, वतनपरस्ती व सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश कर अलवर का नाम इतिहास के पन्नों में अमर किया। उन्होंने कहा कि अलवर का इतिहास प्रेम, भाईचारे व सौहार्द का रहा है, इसे बनाए रखना हम सब का नैतिक दायित्व है। उन्होंने गांव के विकास हेतु मेवात विकास बोर्ड में एक करोड़ रूपये की राशि उपलबध कराने की घोषणा की। उन्होंने मेव समाज के प्रतिनिधियों से कहा कि मेवात क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाने के लिए समाज के मोजिज लोगों को समाज सुधार का बीड़ा उठाना होगा। उन्होंने शिक्षा को समाज की उन्नति का माध्यम बताते हुए बच्चों की शिक्षा पर जोर दिया। मंत्री डॉ. मीणा ने तेलियाबास में मृतक बालिका के घर पर जाकर परिजनों को विश्वास दिलाया कि प्रकरण की निष्पक्ष जांच होगी।

मुस्लिम समाज के लोग चाहते हैं कि उनके लिए दूसरे आवाज उठाएं - एडवोकेट मुजाहिद नकवी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। एडवोकेट मुजाहिद नकवी का कहना हैं कि यह मुस्लिम समाज की हकीकत है जिसके कारण मुस्लिम समाज विकास की बजाय पिछड़ता जा रहा हैं। मैंने अपनी ज़िंदगी का लगभग हिस्सा मुस्लिम बहुल इलाक़े में ही गुज़ारा हैं। इन तमाम मुस्लिम बहुल इलाकों में मुसलमानों को खुब मनमानी करते देखा, करप्शन करते देखा, मस्जिद मदरसों की कमेटी के लिए गुटबंदी करते देखा, गुटबंदी ऐसी कि लाठी तलवार चलते देखा, आपस में खूब मुकदमें करते देखा, फ्लैटों और प्लॉटों पर कब्ज़ा करते देखा, रास्ते और सरकारी ज़मीनों पर कब्ज़ा करते देखा, दुकानदारों से रंगदारी मांगते देखा, गंदगी और कुड़े का अंबार देखा, एक मस्जिद में दो गुटों का दो बार जुमे का नमाज़ देखा, चंदे का कारोबार देखा, लोगों को सुद का कारोबार करते देखा, नशे में डुबे बच्चों और युवाओं का भविष्य देखा लेकिन काउंसलर चुप, विधायक चुप, इमाम चुप, एनजीओ चुप, अख़बार वाले चुप, अख़बार और चैनल में काम करने वाले चुप, जमाती चुप, तब्लीग़ी चुप, अपनी कियादत वाले चुप, उसकी कियादत वाले चुप, मज़ार वाले चुप, हदीस वाले चुप, क़ुरान वाले चुप, फातिहा वाले चुप, चिल्ला वाले चुप, पैसे वाले चुप, डॉ. चुप, प्रोफेसर चुप, बिल्डर चुप, डीलर चुप, एक्टीविस्ट चुप, नमाज़ी चुप, हाजी चुप, सबके सब चुप। कारण सिर्फ़ मामलात न बिगड़ जाए, रिश्ते न बिगड़ जाएं, कारोबार पर असर न पड़ जाए, विधायक न नाराज़ हो जाए, काउंसलर न गुस्सा हो जाए, गुंडा बदमाश न पीछे पड़ जाए, दोस्ती न टुट जाए, रिश्तेदारी न बिगड़ जाए, डील न टुट जाए, कॉन्ट्रैक्ट न ख़त्म हो जाए, मंथली न रूक जाए, नौकरी न छुट जाए। बगैरह बगैरह। यानी सिर्फ़ अपने ज़ाती फायदे के लिए सब के सब चुप हैं।

लेकिन यही मुस्लिम समाज चाहता है कि केजरीवाल बोले, राहुल बोले, ममता बोले, अखिलेश बोले, लालू बोले, नीतीश बोले। भाई जिस तरह आप अपने चंद फ़ायदे के लिए अपने समाज में हो रहे ज़ुल्म पर चुप रहते हैं, तमाशाबीन रहते हैं वैसे ही यह भी अपने फायदे के लिए चुप रहते हैं। आपको क्या लगता है कि आपके पांच सीट के लिए कोई 65 सीटों की कुर्बानी दे देगा? जिस तरह आप चुप हैं वैसे ही यह भी चुप रहेंगे। याद रखें। बैलेंस करना सिर्फ़ आप ही नहीं जानते, नेता भी जानते हैं। दुनियादारी सिर्फ़ आप नहीं जानते, नेता भी जानते हैं। आप दुनियादारी छोड़ दें, आप बोलना शुरू करें फिर देखें मुर्दा भी बोल उठेगा और बदलाव की लहर शुरू हो जाएगी !

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का वक्फ विधेयक के खिलाफ दिल्ली में धरना प्रदर्शन

नयी दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने सोमवार 17 मार्च को वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ धरने का नेतृत्व किया, जिसमें ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी सहित कई सांसदों ने हिस्सा लिया।ओवैसी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) और लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (लोजपा-रामविलास) को आगाह किया कि अगर उन्होंने इस विधेयक का समर्थन किया, तो मुसलमान उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे।एआईएमपीएलबी के तत्वावधान में कई मुस्लिम संगठनों ने जंतर-मंतर पर वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन किया। धरना स्थल पर पहुंचे ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश में शांति भंग करने के इरादे से वक्फ विधेयक लेकर आई है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री की मंशा है कि लोग मंदिर-मस्जिद को लेकर लड़ते रहें। वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा करना इस विधेयक का मकसद नहीं है।"

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा, "यह विधेयक मुसलमानों की मस्जिदों, दरगाहों और कब्रिस्तानों को छीनने का प्रयास करता है। हम (तेदेपा प्रमुख) चंद्रबाबू नायडू, (लोजपा-रामविलास प्रमुख चिराग) पासवान साहब और (जदयू नेता) नीतीश कुमार को आगाह कर रहे हैं-याद रखें कि अगर आप इस अहम मोड़ पर इस विधेयक का समर्थन करते हैं, तो जब तक दुनिया का अस्तित्व रहेगा, मुसलमान आपको माफ नहीं करेंगे, क्योंकि यह आपके समर्थन से पारित होगा।"उन्होंने कहा, "इस असंवैधानिक विधेयक का समर्थन न करें।"ओवैसी ने इस बात को रेखांकित किया कि यह विधेयक गैर-मुस्लिमों को वक्फ परिषद और बोर्डों का हिस्सा बनने की इजाजत देता है, जबकि अन्य धर्मों की धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए समर्पित संपत्तियों के प्रबंधन का जिम्मा संभालने वाली संस्थाओं में केवल उस समुदाय से संबंधित लोगों को ही सदस्य बनाया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, "सरकार एक असंवैधानिक और मुस्लिम विरोधी कदम उठाने जा रही है।"धरना स्थल पर संवाददाताओं से मुखातिब कांग्रेस नेता और अल्पसंख्यक मामलों के पूर्व मंत्री सलमान खुर्शीद ने दावा किया कि यह विधेयक संवैधानिक रूप से वैध नहीं है और लोग इससे संतुष्ट नहीं हैं। शिया धर्मगुरु कल्बे जव्वाद ने आरोप लगाया कि इस विधेयक का एकमात्र उद्देश्य वक्फ संपत्तियों पर कब्जा करना है। जमात-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष और एआईएमपीएलबी के उपाध्यक्ष सैयद सदातुल्लाह हुसैनी ने सवाल किया, "वक्फ मुसलमानों को वही अधिकार देता है, जो अन्य धर्मों को उनकी संस्थाओं पर हासिल हैं। अगर हर धर्म को अपने मामलों का प्रबंधन करने का अधिकार है, तो मुसलमानों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है।"समाजवादी पार्टी (सपा) के अवधेश प्रसाद और कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन समेत कई विपक्षी दलों के नेताओं ने इस विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा लिया।यह धरना 13 मार्च को दिया जाना था, लेकिन होली की छुट्टियों के कारण इसे टाल दिया गया था।एआईएमपीएलबी प्रवक्ता एसक्यूआर इलियास ने कहा कि गहन विचार-विमर्श के बाद बोर्ड इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि प्रस्तावित कानून वक्फ संपत्तियों पर "कब्जा" करने का रास्ता साफ करेगा, जो मुसलमानों पर "सीधा हमला" होगा।यह विरोध-प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहा है, जब संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण चल रहा है, जिसमें वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया जा सकता है। विधेयक पर विचार करने वाली संसद की 31 सदस्यीय संयुक्त समिति ने 30 जनवरी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को 655 पन्नों की अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी।

इंजी. इंसाफ आज़ाद अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति, अल्पसंख्यक विभाग के सदस्य नियुक्त

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। सुप्रीम कोर्ट के प्रतिष्ठित अधिवक्ता एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) के राष्ट्रीय संयोजक एवं गुजरात प्रभारी, इंजीनियर इंसाफ आज़ाद के निजी सचिव ने 13 मार्च 2025 को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इंजीनियर इंसाफ आज़ाद को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग), नई दिल्ली की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। इंजीनियर इंसाफ आज़ाद ने हमेशा पार्टी के सिद्धांतों और आदर्शों का पालन करते हुए संगठन की मजबूती और अल्पसंख्यक समुदाय के हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी नियुक्ति संगठनात्मक अनुशासन को सुदृढ़ करने, नीति-निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और संगठनात्मक मर्यादाओं को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी इस नियुक्ति पर निजी सचिव ने बताया कि, "इंजीनियर इंसाफ आज़ाद की सशक्त नेतृत्व क्षमता, निष्पक्ष दृष्टिकोण और संगठन के प्रति उनकी गहन प्रतिबद्धता अनुशासनात्मक समिति को सुदृढ़ता प्रदान करेगी। उनका अनुभव और नेतृत्व पार्टी को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगा।" यह नियुक्ति न केवल इंजीनियर इंसाफ आज़ाद की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि कांग्रेस पार्टी की उस दूरदर्शिता का भी प्रतीक है, जिसके अंतर्गत संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उनकी नियुक्ति पर उनके शुभचिंतकों व परिवारजनों ने खुशी जाहिर की।

APCR द्वारा करबला स्थित गारनेट हाउस में "रमजान की खुशियां सबके साथ" रोज़ा इफ्तार का आयोजन

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स राजस्थान चैप्टर (APCR) की जानिब से करबला स्थित गारनेट हाउस में रोज़ा इफ्तार का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

इस मौके पर सभी ने APCR के कार्यों की सराहना करते हुए इसे समय की अहम ज़रूरत बताया। संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि मौजूदा फासीवादी दौर में, जब पूरे देश में नाइंसाफ़ी उरूज पर है, APCR मज़लूमों की आवाज़ बनकर उभरी है। संस्था ने कई बेगुनाहों की रिहाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और साथ ही कई लोगों के मकान और दुकानों को बुलडोज़ होने से भी बचाया है। APCR के इस सराहनीय प्रयास को देखते हुए सभी ने इसे और मजबूत करने पर ज़ोर दिया और कहा कि ऐसे संस्थानों का समर्थन करना समाज की ज़िम्मेदारी है।

संस्था लगातार संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए काम कर रही है और आने वाले समय में भी अपने प्रयास जारी रखेगी। प्रदेश अध्यक्ष सैयद सआदत अली ने एपीसीआर राजस्थान के कार्यों के बारे में जानकारी दी। ओर बताया की APCR एडवोकेट द्वारा उदयपुर,जहाजपुर, बिजयनगर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा के 45-50 बेकसूर लोगों की निशुल्क रिहाई करवाई गई। मंच का संचालन महासचिव मुजम्मिल रिजवी ने किया । एडवोकेट मोहम्मद इकबाल ने सभी जिम्मेदारों का शुक्रिया अदा किया।

इस मौके पर रोजा इफ्तार में कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की जिनमें सवाई सिंह अध्यक्ष एफडीसीए अध्यक्ष राजस्थान एवं राजस्थान समग्र सेवा संघ,रिटायर्ड डिप्टी एसपी हरिनारायण मौर्य जी , मूहम्मद नाजीमुद्दीन महासचिव राजस्थान मुस्लिम फोरम (अध्यक्ष जमात-ए-इस्लामी हिंद राजस्थान), डॉ दशरथ सिंह हिनोनिया प्रदेश अध्यक्ष एपीआई, महासचिव एपीआई अशोक सेहरा, धर्मवीर कटेवा, राहुल चौधरी, राजेंद्र कुम्भज, इस्लाम कारपेट, आरिफ आज़ाद पत्रकार, अनिल यादव पत्रकार, शकील अंसारी, मुज़ाहिद नक़वी मिल्ली कौंसिल राजस्थान, हेमलता कसोटिया, वकार अहमद प्रदेश अध्यक्ष डब्ल्यूपीआई राजस्थान , अब्दुल लतीफ आरको अध्यक्ष प्रांतिय मुस्लिम तेली महापंचायत तथा राष्ट्रीय समन्वयक इंटक, बसंत हरियाणा सचिव राजस्थान नागरिक मंच, नईम रब्बानी सचिव जे आइ एच राजस्थान, एडवोकेट सरवर अली सदस्य राजस्थान मुस्लिम फोरम (आरएमएफ), एडवोकेट सैयद जकावत अली, एडवोकेट मुनाजिर इस्लाम सहसचिव एपीसीआर,एडवोकेट सुमित उपाध्याय,एडवोकेट अब्दुल अजीज,एडवोकेट मासूम अली, एडवोकेट मोहम्मद इरफान, मोहम्मद अंसार सचिव जयपुर यूनिट आदि शामिल रहे।

For Sale

1,2,3,4 BHK फ्लैट्स ,
मोती डूंगरी रोड ,आदर्शनगर ,
जवाहरनगर , फ़तेह टीबा
& near by location
Contact - 8386947005

भाजपा विधायक बालमुकुंद ने अजान पर रोक लगाने के लिए कहा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भाजपा के फायरब्रांड विधायक बाबा बालमुकुंद आचार्य ने फिर एक बार हिंदू-मुस्लिम की राजनीति को हवा दे दी है। विधायक बालमुकुंद आचार्य ने वकीलों के एक प्रोग्राम में कहा कि अजान से लोगों को माइग्रेन एवं स्कूल के बच्चों की पढ़ाई डिस्टर्ब होती है। इस समस्या से वकीलों को निजात दिलानी चाहिए। वैसे विधायक ने प्रत्यक्ष रूप से अजान का नाम नहीं लिया उन्होंने दिन में पांच बार तेज आवाज की समस्या से छुटकारा दिलवाने की बात कही। विधायक बालमुकुंद आचार्य भाजपा के विधायक हैं और प्रदेश में भाजपा की सरकार है। सभी कानूनों की पालना करवाने की जिम्मेदारी सरकार की है। फिर भी विधायक हिंदू मुस्लिम की राजनीति को हवा देने का मौका नहीं चूकते हैं। एसडीपीआई के उपाध्यक्ष डॉक्टर शहाबुद्दीन ने कहा कि बाबा जब से विधायक बने हैं तब से ही हिंदू मुस्लिम को लड़ाने की राजनीति करते हैं। बाबा कभी मुसलमान द्वारा संचालित ई मित्र, राशन की दुकान, होटल एवं मेडिकल की दुकान में जाते हैं, और जांच करने लगते हैं। जबकि जांच का काम एक विधायक का होता ही नहीं है। लेकिन जयपुर की समझदार जनता आपस में भाईचारे के साथ रहती है और किसी के बहकावे में नहीं आती है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव बनने पर कुंजीलाल मीना का हुआ स्वागत

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। अतिरिक्त मुख्य सचिव का पद संभाल जिले का नाम रोशन करने वाले कुंजीलाल मीना के सवाई माधोपुर पधारने पर मुस्लिम युवाओं द्वारा स्वागत किया गया। शहर के जामा मस्जिद खंडार तिराहे पर माला व साफा पहनाकर युवाओं ने कुंजीलाल मीना का स्वागत किया। गौरतलब है कि रमजान के पाक पवित्र महीने में भी काफी संख्या में मुस्लिम युवा अतिरिक्त मुख्य सचिव के स्वागत के लिए एकत्रित हुए। जिसके बाद नौजवान टीम का अति.मुख्य सचिव ने शानदार स्वागत के लिए उनका आभार व्यक्त किया और अपनेपन का एहसास हुआ। शानदार स्वागत की इस कड़ी में पार्षद असीम खान, युवा नेता सलमान खान रंगरेज, पार्षद सलीम रंगरेज, रईस अहमद अंसारी, वसीम, अबू बकर अन्य युवा साथी मौजूद रहे।

पर्स लौटाकर कैंटर के ड्राइवर जुनेद ने दिया ईमानदारी का परिचय, 80 हजार रुपए वापस लौटाए

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। रणथंभौर सफारी के जोन दस में 12 मार्च को सफारी करने गए यूएसए के ग्रुप और ग्रुप लीडर लक्ष्मण सिंह का सफारी पूर्ण होने के बाद कैंटर के अपना बैग कैंटर नंबर RJ 25 PA 2121 में छोड़ गए, जिसमें लगभग 80 हजार रुपए, पासपोर्ट और महत्वपूर्ण कागजात थे, जिसको इमानदारी का परिचय देते हुए कैंटर के ड्राइवर जुनेद आलनपुर ने ड्राइवर यूनियन कार्यालय पर बुलाकर सकुशल वापस लौटाया इस ईमानदारी के परिचय पर यूनियन के लोगों एवं पर्स मालिक ने ड्राइवर का आभार जताया और धन्यवाद दिया।

प्रतिभावान खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर मई-जून में

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् के निर्देशानुसार 65 वाँ केन्द्रीय आवासीय खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आबू पर्वत (सिरोही) में 21 मई से 10 जून तक और जयपुर में 19 मई से 8 जून तक किया जाएगा। इस दौरान खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिला खेल अधिकारी अब्दुल वहीद ने बताया कि 21 मई से 10 जून तक आबू पर्वत (सिरोही) में हैंडबॉल, वॉलीवॉल, बास्केटबॉल, तीरंदाजी, एथलेटिक्स एवं बॉक्सिंग में बालक एवं बालिका वर्ग का आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। वहीं 19 मई से 8 जून तक जयपुर में फुटबॉल, क्रिकेट, जिम्नास्टिक, जूडो, हॉकी, कुश्ती, कबड्डी, भारोत्तोलन, खो-खो, साईक्लिंग, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वुशू एवं तैराकी में बालक एवं बालिका वर्ग का प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में प्रवेश के इच्छुक प्रतिभावान खिलाड़ी अपना आवेदन पत्र 22 अप्रेल तक स्थानीय जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र स्टेडियम दशहरा मैदान में जमा करा सकते है। आवेदन पत्र के साथ खेल प्रमाण पत्र एवं आयु प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। खिलाडी की न्यूनतम आयू 31 मई, 2025 को 14 वर्ष एवं अधिकतम 17 वर्ष होनी चाहिए। ऑनलाइन आवेदन पत्र राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद की वेबसाइट www.rssc.in से डाउनलोड किया जा सकेगा।

बाबा बुर्रहानुद्दीन चिश्ती की दुआ से कामयाबी क़दम चूमती है - पदयात्री

जाफ़र लोहांनी

जयपुर/ मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी थानागाजी से हिन्द भाईयों की पदयात्रा रवाना होकर ताला ग्राम की ऊँची पहाड़ी पर विराजमान हिन्द मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलेह की दरगाह शरीफ में पहुंची। इस दौरान जगह पर हिंदू मुस्लिम सभी ने इस पदयात्रा पर फूल बरसाकर ठंडे पानी, शर्बत और नाश्ते की स्टाल लगाकर इनका भविष्य स्वागत किया। दरगाह पहुंचने पर दरगाह कमेटी की तरफ से भी इनका भव्य स्वागत किया गया पद यात्रियों ने बताया कि हज़रत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला आलेह की दुआ से हम सबके परिवारों में खुशी है और आपसी प्रेम स्नेह व भाईचारा प्रगाढ़ हो रहा है इसलिए बाबा का शुक्रिया अदा करने के लिए हम हर साल यहा पर धुलण्डी के दूसरे दिन आते हैं इस पर दरगाह कमेटी के लोगों ने यात्रियों पर पुष्प वर्षा करके स्वागत करते हुए उनका मान सम्मान किया। यह जानकारी ताला से खबर नवीश शाकिर खान शेख ने देते हुए बताया है कि इस पद यात्रा में बाबू लाल, मुरलीधर, सुरेश कुमार, महेश कुमार आदि उपस्थित थे।

मुस्लिम वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसाइटी ने दरगाह नाजिम बिलाल खान का किया इस्तकबाल

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसाइटी, अजमेर की ओर से दरगाह नाजिम बिलाल खान का गरिमामय स्वागत किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के सदस्यों ने यू. डी. खान के नेतृत्व में दरगाह नाजिम से सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुलाकात की और सोसाइटी की गतिविधियों की जानकारी साझा की। बैठक में सोसाइटी और दरगाह कमेटी के बीच आपसी सहयोग पर चर्चा हुई। नाजिम साहब ने सोसाइटी को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया, वहीं सोसाइटी ने भी दरगाह कमेटी को हर तरह से समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई। भविष्य में समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करने पर सहमति बनी। उल्लेखनीय है कि मुस्लिम वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसाइटी की गतिविधियों में दरगाह कमेटी का हमेशा सहयोग मिलता रहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक में सोसाइटी के प्रमुख सदस्य उमरदराज खान, अकरम सिद्दीकी, अख्तर फारूकी, अजहर फारूकी, मुहम्मद रऊफ खान और नवेद चिश्ती उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने दरगाह नाजिम बिलाल खान का आभार व्यक्त किया और आगे भी आपसी सहयोग जारी रखने का संकल्प लिया।

कालाडेरा नगर पालिका बनने पर ग्रामवासियों ने 151 फीट लंबा साफा पहनाकर किया रामलाल शर्मा का स्वागत

-ग्रामवासी बड़ी संख्या में कालाडेरा से पैदल पहुंचकर डीजे पर नाचते गाते हुए पहुँचे बीजेपी दफ्तर

- पूर्व विधायक को माला और गुलाल लगाकर जताया आभार

एहसान पठान

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत कालाडेरा को नगर पालिका क्रमोन्नत होने पर ग्रामवासियों ने डीजे के साथ कालाडेरा से पैदल चलकर और हाथों में 151 फीट का साफा लेकर रावण गेट भाजपा कार्यालय पहुंचे और ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का ज़ोरदार स्वागत किया गया। ग्रामवासियों द्वारा पटाखे फोड़े गए और रामलाल शर्मा को 51 किलो की माला पहनाकर और गुलाल लगाकर आभार जताया गया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने ग्रामवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और चौमूँ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कालाडेरा को नगर पालिका में क्रमोन्नत करने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। इस मौक़े पर सरपंच अशोक शर्मा, गोविंदगढ़ पंचायत समिति सदस्य एवं कालाडेरा मंडल अध्यक्ष लालचंद यादव, बांसा मंडल अध्यक्ष शंकर लाल गोगोरिया, पूर्व फल सब्जी मंडी अध्यक्ष दिनेश गोरा, पूर्व सरपंच रामगोपाल मीणा, भाजपा सदस्य भगवान सहाय यादव , पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष हनुमान खोज, शक्ति केंद्र प्रभारी सोहन लाल कुमावत, छीगनलाल कुमावत, मुकेश चोपड़ा, अर्जुन ममोडिया, मोहन लाल खोज, कालूराम उज्जैनिया, बबलू उज्जैनिया, रणजीत, ओम प्रकाश दुसाद, नंदलाल कुमावत, मुकेश पंचोली, श्रीराम यादव, सीताराम यादव, हरनाथ बागड़ा, मुकेश पतालिया सहित सैंकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

महाराज श्री हरिओमदास, श्री रघुनन्दन दास व विधायक मनीष यादव ने किया योगशाला का उद्घाटन

जाफ़र लोहांनी

जयपुर/ मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत उदावला के किलवाडी जोहडी में ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित बाबा रतनदास योगशाला का उद्घाटन महाराज श्री हरिओम दास, श्री रघुनन्दन दास व विधायक मनीष यादव ने सरपंच बनारसी देवी की उपस्थिति में किया। गोरतलब है कि योगशाला का निर्माण तक़रीबन 5 लाख की लागत से किया गया है। योगशाला में हार्टफुलनेस संस्था द्वारा योग का प्रशिक्षण दिया गया। संस्था ने बताया कि उनके द्वारा देश के 8 राज्यो में लगभग 17 हज़ार गाँवो में प्रशिक्षण दिया जाएगा। योग ट्रेनर हेमलता ने अतिथियों सहित ग्रामीणों को योग करवाया व योग के बारे में संपूर्ण जानकारी दी। विधायक यादव ने कहा कि योग सिर्फ एक व्यायाम पद्धति नहीं, बल्कि एक संपूर्ण जीवनशैली है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन बनाने में मदद करती है। नियमित योग शरीर में शक्ति और लचीलापन, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है व मेटाबॉलिज्म सही रखता है।

विधायक ने कहा कि योग तनाव और चिंता कम करके ध्यान (मेडिटेशन), एकाग्रता और याददाश्त बढ़ाकर शरीर को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। विधायक ने कहा कि यदि इसे नियमित रूप से किया जाए, तो यह जीवन में खुशहाली और संतुलन लाने में बेहद सहायक हो सकता है। महाराज श्री हरिओम दास जी ने कहा कि योग से व्यक्ति शांतचित रहता है। व्यक्ति को संतोष प्राप्त होता है तथा कई गंभीर बीमारियों से दूर रहता है। सरपंच बनारसी देवी ने योग को नियमित रूप से जीवन में शामिल किए जाने की आवश्यकता बताई। सरपंच प्रतिनिधि रामनारायण ने कहा कि योग का प्रशिक्षण योगगुरुओ द्वारा तीन दिवस तक किया जाएगा उसके पश्चात नियमित रूप से ग्रामीणों द्वारा किया जाएगा। योग का जीवन में बहुत महत्व है। सभी को समय निकालकर योग अवशय करना चाहिए। योगशाला में बच्चों के लिए दोड का ट्रैक भी बनाया जाएगा। इस दौरान योगशाला में सहयोग करने वाले भामाशाह सीताराम डाबड़, कनाराम जड़वाल, कैलाश डाबड़, धोलराम व उदयराम मैला, रामकुवार बाडिगर व किशन कमलोडीया का भी अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नाथु सैनी, अर्जुन मोहनपुरिया पूर्व सरपंच, खेमचंद पूर्व सरपंच, अलादिन, राधेश्याम पूर्व सरपंच, प.स.स. प्रतिनिधि श्याम चरख्या , ओमप्रकाश, सरपंच धोलू, मुन्ना, गुल्ला,सुवा लाल, अशोक, जगदीश वैध, प्रकाश, रमेश व संस्था के क्षेत्रीय समन्वयक तरुण तोशनीवाल, स्वयं सेवक प्रभा तोशनीवाल, मुकेश पटेल उपसचिव राज्यपाल उपस्थित रहे।

आलिया ने रखा पहला रोज़ा,देश में भाईचारे खुशहाली की मांगी दुआ

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। रमज़ान के मुबारक माह में 11 साल की आलिया खान ने अपना पहला रोज़ा रखा और अल्लाह से देश, प्रदेश और दुनिया में अमन-चैन, सुकून, आपसी भाईचारे की दुआयें मांगी। आलिया ने प्यारे नबी मोहम्मद साहब के तरीकों पर जिंदगी गुजारने, गरीब, यतीम एवं बेसहारा लोगों पर अल्लाह की खिदमत करने का मौका देने की दुआ की। आलिया खान के वालिद अब्दुल हासिब एडवोकेट ने बताया कि आलिया खान ने अपना रोज़ा पूरे दिन शिद्दत की गर्मी में बिना भूख प्यास को सहन करते हुए पूरा दिन इबादत करने

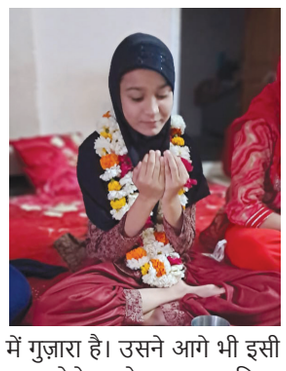

में गुज़ारा है। उसने आगे भी इसी तरह रोज़े रखने का इरादा किया है। रोज़ा इफ्तार में अब्दुल हक़, अब्दुल अरीब, अज़ीम खान, फैमुन्निसा, मसर्रत, रेशमा वगैरह परिवार ओर रिश्तेदार मौजूद रहे।

हॉकी इंडिया एनुअल अवार्ड्स 2024 का आयोजन हुआ

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। 7 वीं हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार समारोह नई दिल्ली में होटल मेरिडियन में 15 मार्च को हुआ। इस अवसर पर सवाई माधोपुर की जानी पहचानी शख्सियत डॉक्टर आरती सिंह भदौरिया (जॉइंट सेकेट्री, हॉकी इंडिया) द्वारा हॉकी इंडिया धनराज पिल्लई अवॉर्ड, फारवर्ड ऑफ द ईयर 2024 अभिषेक को दिया गया। जिसमें अतिथियों द्वारा बुके सर्टिफिकेट ओर 5 लाख का चेक हॉकी इंडिया द्वारा प्रदान किया गया। भारतीय हॉकी के 100 साल एवं विश्व चैंपियन विजेताओं के विश्व कप जीतें 50 साल होने पर उन्हें सम्मान के साथ ही जश्न मनाया गया।

दरगाह मीर क़ुरबान अली साहब रह.में रोज़ा इफ़्तार का आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। एम आई रोड स्थित दरगाह हज़रत मीर क़ुर्बान अली साहब रह. में हर साल की तरहा इस वर्ष भी 16 वें के मौके पर सोमवार को रोज़ा इफ्तार कराया गया। सज्जादानशीं दरगाह डॉ हज़रत सय्यद हबीब उर रहमान नियाज़ी साहब ने रोज़े व ज़कात की फ़ज़ीलत पर रोशनी डाली और अल्लाह से तमाम परेशान लोगों की परेशानी दूर करने व पूरी दुनियां में अमन ओ अमान की दुआ की। इस मौके पर शहर के मोअज़ीज़ लोगों व अक़ीदत मंदों ने शिरकत की। जिनमें कांग्रेस के विधायक अमीन कागज़ी, पूर्व सांसद अश्क अली टाँक, ज़ाकिर खान, हाजी हसीन, पार्षद मोहम्मद अय्यूब, अफ़ज़ल महबूब, फरीद कुरैशी, शहजाद नबी, जाहिद खान, पप्पू कुरैशी, राबिया बहन, शमशाद बक़ाई, नायाब बक़ाई, इकराम उल्लाह वा रकमा के अधिकारीगण मौजूद रहे

ध्रुवपद यात्रा 2025 - भारतीय शास्त्रीय संगीत का भव्य उत्सव जयपुर में

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । भारतीय शास्त्रीय संगीत के एक शाश्वत और प्रतिष्ठित रूप ध्रुपद की महक 2025 में जयपुर में विशेष रूप से महसूस की गई। इस वर्ष का ध्रुपद यात्रा कार्यक्रम राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में आयोजित किया गया, जहां संगीत और भक्ति की अनमोल धारा में सजे इस कार्यक्रम ने शास्त्रीय संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उस्ताद इमामुद्दीन खान डागर इंडियन म्यूजिक आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी और डागर आर्काइव्स म्यूजियम जयपुर ने इस भव्य आयोजन का नेतृत्व किया, जिसकी कमान सुश्री शबाना डागर और श्री इमरान डागर ने संभाली। इस प्रतिष्ठित संगीत यात्रा का उद्घाटन ईएमसीईई तनुषा नागरथ द्वारा किया गया, जिसमें एक खास श्रद्धांजलि स्वर्गीय अरविंद सिंह मेवाड़ को अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत औपचारिक तिलक और दीप प्रज्वलन के साथ हुई,

जिसमें विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों और कलाकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपा माथुर, जो महिला सशक्तिकरण और कला की प्रबल समर्थक हैं, और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर डॉ. मौलिक शाह, निदेशक, स्कूल ऑफ मीडिया स्टडीज, जयपुर ने कार्यक्रम को और भी गरिमा प्रदान की। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में डागर बंधुओं द्वारा पेश की गई मालकोस राग चौताल की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन कलाकारों के दिल को छूने वाले प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को एक अनूठे संगीत अनुभव से नवाजा। यह ध्रुपद यात्रा 2025 भारतीय शास्त्रीय संगीत की महिमा और समृद्धि को समर्पित एक असाधारण श्रद्धांजलि बनकर उभरी।

रेस्टोरेंट के किचन में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

जयपुर/ मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के टोल प्लाजा के पास स्थित ब्रेक फास्ट स्टोरी रेस्टोरेंट के किचन में सोमवार को शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग में करीब दो लाख रुपए का नुकसान बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार टोल प्लाजा के पास कस्बा निवासी अंजुम खान की ब्रेक फास्ट स्टोरी रेस्टोरेंट है। जिसके किचन में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने से किचन में रखा डी फ्रीज सहित कई समान जलकर राख हो गए। आग लगने से रेस्टोरेंट के कर्मचारियों में हड़कम्प मच गई उन्होंने अग्निशमन यंत्र से आग बुझाने का प्रयास किया। मामले की सूचना पाकर थाना पुलिस मौके पर पहुंची ओर शाहपुरा से दमकल गाड़ी को बुलाया गया। जिससे समय रहते ही आग पर काबू पा लिया गया

रोजा एक ऐसी इबादत है जो गुनाहों से बचाती है - मीणा

जाफ़र लोहांनी

जयपुर/ मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। समाजसेवी कानाराम मीणा जयपुर की एक ऐसी शख्सियत है जो अनेकों बार पोषबड़ा महोत्सव मंदिरों में व अपने निवास पर मनाते आए है। जहां देश में हिंदू मुस्लिम को लेकर जुबानी जंग छिड़ी हुई है वही कानाराम मीणा ने भारत की गंगा-जमुनी तहजीब को जिन्दा बनाए रखने के लिए सैकड़ों मुस्लिम लोगों की रोजा इफ्तारी की पार्टी का आयोजन नज़दीकी मस्जिद मालवीय नगर स्थित किया। कानाराम मीणा की इस हिन्द मुस्लिम एकता की सौहार्द की खूबसूरत पहल का भाजपा नेता समाज सेवी समीर मलिक ने कानाराम मीणा के घर जाकर गुलाब पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया। समीर मलिक ने कहा कि मीणा ने आपसी प्रेम स्नेह व भाईचारा प्रगाढ़ किया है, मीणा का दिल आसमान से बड़ा और समुंदर से गहरा है।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं। अथवा नेट बैंकिंग के द्वारा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद। -संपादक

Scan Here

ग़ज़ल

उनकी मोहब्बत का मयार तुम क्या जानो
ख़्याल रखता हूं के इज़हार ना होने पाए
ग़म लकीरों में बयां होता तो कर भी लेता
देखना ये कभी अखबार ना होने पाए
दिल खुश रखने के काम भी करता हूं मगर
ये भी करता हूं के वो बेज़ार ना होने पाए
सादा तबियत पे उकेरे हैं रात ने ख़्वाब
ज़ायके ख़्वाबों के इकसार ना होने पाए
दिल के बारे में कहा है ना जाने क्या क्या
इसको पोशीदा रख बाज़ार ना होने पाए
मेरी क़िस्मत में भी कोई तो किरन होगी
मेरी क़िस्मत कभी इश्तिहार ना होने पाए

तख़लीक़ : - फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवानिवृत्त)
मो.98286 68877

रमज़ान में जयपुर की गली-गली गुलज़ार

- रामगंज और घाटगेट बाज़ार बने विभिन्न खाने के शौकीनों की जन्नत

- रमजानों में जयपुर के व्यापारियों की बढ़ी कमाई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर इन दिनों रमज़ान के मुक़द्दस महीने की रौनक से सराबोर है। इस पाक महीने में शहर के पुराने इलाके—रामगंज, घाटगेट, बाबू का टीबा और चांदपोल—खाने की महक, मस्जिदों की रौनक और बाज़ारों की चहल-पहल से गुलज़ार हो उठे हैं। सुबह की सहरी से लेकर शाम की इफ्तारी तक, जयपुर की तंग गलियाँ और चौड़े बाज़ार एक अलग ही आलम में डूबे नज़र आते हैं। यहाँ का भाईचारा, ज़ायकेदार खाना और त्यौहार का माहौल न सिर्फ़ स्थानीय लोगों को बल्कि दूर-दूर से आने वाले सैलानियों को भी अपनी ओर खींच रहा है।

पूरे शहर को लुभा रहा पुराने शहर के खाने का जादू :

रमज़ान का महीना आते ही परकोटे के रामगंज बाज़ार और घाटगेट बाजार खाने के शौकीनों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं लगते। यहाँ की हवा में बिरयानी, निहारी, हलीम, कबाब और शीरमाल की खुशबू फैल जाती है। गलियों में लगे स्टॉल्स और मशहूर हॉटलों पर इफ्तार के वक़्त लोगों की लंबी क़तारें देखने को मिलती हैं। होटल एम.एम. खान, जो 40 साल से जयपुर की शान बना हुआ है, जयपुर वालों का सबसे पुराना और मशहूर ठिकाना है। यहाँ का चिकन चंगेज़ी और मटन निहारी और हलीम लोगों की ज़ुबान पर चढ़ा हुआ है। वहीं अली चिकन सेंटर का चिकन टिक्का और बोटी कबाब भी रोज़ेदारों को खूब लुभाते हैं। इसके अलावा होटल गरीब नवाज़, मदीना होटल, काबुल चिकन सज्जी, होटल मोहम्मदी, मौलाना हलवाई के खाने विभिन्न जायकों की खुशबु बिखेर रहे हैं। स्थानीय निवासी मोहम्मद अतीक बताते है कि रमज़ान में यहाँ का माहौल ही बदल जाता है। लोग अपने घरवालों, दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ इफ्तार और सहरी का मज़ा लेने आते हैं यहाँ रातभर गलियाँ गुलज़ार रहती हैं। आबिद अब्बासी के मुताबिक इफ्तार की थाली में खजूर का होना लाज़िमी है। इसके साथ शरबत, फल और गरमा-गरम पकवान इफ्तारी को और लज़ीज़ बनाते हैं। रमज़ान में जयपुर की गलियों में ईरानी शीरमाल रोटी की महक भी फैल जाती है। दूध, मेवे और केसर से बनी ये रोटी इतनी लज़ीज़ होती है कि इसे बिना सालन के भी खाया जा सकता है। रामगंज और घाटगेट की दुकानों पर शीरमाल की भारी डिमांड रहती है। इसके अलावा, मिठाइयों में मैंगो रबड़ी और गुलाब जामुन भी लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। मौलाना हलवाई जैसी 90 साल पुरानी दुकानें इस मौके पर ख़ास मिठाइयाँ तैयार करती हैं।

बाबू का टीबा बना बिरयानी का गढ़

जयपुर में रमज़ान की सबसे ज़्यादा रौनक बाबू का टीबा में देखने को मिल रही है। ये इलाका अपनी बिरयानी और हलीम के लिए मशहूर है। इस एरिया में एक दर्जन से अधिक बिरयानी की दुकाने है। बाबू का टीबा अब बिरयानी के टीबे के नाम से मशहूर हो रहा है। एक अनुमान के मुताबिक बाबू के टीबे में एक दिन में 100 से ज्यादा बिरयानी के देग बेचे जाते हैं। बिरयानी खाने के लिए नौजवानों की भीड़ लगी रहती है। जो शहर के अलग-अलग क्षेत्रो से यहां बिरयानी खाने आते हैं। यहाँ की तंग गलियों में रातभर दुकानें खुली रहती हैं और लोग सहरी से लेकर इफ्तार तक यहाँ का स्वाद चखने आते हैं। अमजद की बिरयानी और अलीजा बिरयानी यहाँ की पहचान बन चुकी हैं। एक देग में सैकड़ों लोगों के लिए बिरयानी तैयार होती है और रात 2 बजे तक ग्राहकों की भीड़ लगी रहती है। स्थानीय व्यापारी एवं लब्बैक फेशन के आकिब खान कहते हैं बाबू का टीबा का हलीम और बिरयानी का स्वाद पूरे जयपुर में मशहूर है। रमज़ान में यहाँ का नज़ारा देखने लायक होता है।

गुलाबी नगरी की अनोखी पहचान

जयपुर की ये रमज़ान की रौनक न सिर्फ़ रोज़ेदारों के लिए, बल्कि पर्यटकों और खाने के शौकीनों के लिए भी ख़ास है। यहाँ का लज़ीज़ खाना, रंग-बिरंगे बाज़ार और आपसी मोहब्बत गुलाबी नगरी को दुनिया भर में मशहूर कर रहे हैं। चाहे आप यहाँ के बिरयानी के दीवाने हों या शीरमाल के शौकीन, जयपुर का रमज़ान हर किसी के लिए कुछ न कुछ ख़ास लेकर आता है। रमजान जयपुर में सिर्फ इबादत का महीना नहीं होता, बल्कि यह एक ऐसा समय होता है जब पूरा शहर एक अलग ही रौनक में डूब जाता है। मस्जिदों की रूहानी फिजा, बाजारों की हलचल, और जायकों का मजा – यह सब मिलकर रमजान को एक यादगार अनुभव बना देते हैं।

सहरी और इफ्तार का ख़ास इंतज़ाम

सहरी का वक़्त सुबह तड़के 3-4 बजे तक होता है, जब लोग नमाज़ के बाद हल्का और पौष्टिक नाश्ता करते हैं। बाबू का टीबा और रामगंज में चाय, पराठे और बिरयानी की दुकानें इस दौरान खुली रहती हैं। वहीं, शाम को इफ्तार का वक़्त आते ही बाज़ारों में रौनक छा जाती है। खजूर, पानी और शरबत के साथ रोज़ा खोलने के बाद लोग गरमा-गरम पकवानों का मज़ा लेते हैं। यहाँ के लोग कहते हैं कि इफ्तार सिर्फ़ भूख मिटाने का ज़रिया नहीं, बल्कि अपनों के साथ वक़्त बिताने का एक ख़ूबसूरत मौक़ा है। रमजान में सूखे मेवों की माँग भी इस दौरान आसमान छू रही है। बादाम, पिस्ता, काजू और खजूर की दुकानों पर भीड़ लगी रहती है। खजूर की कीमत 80 रुपये से लेकर 1500 रुपये प्रति किलो तक है, और सऊदी अरब, ईरान और यूएई से आए खजूर ख़ास तौर पर पसंद किए जा रहे हैं।

बाज़ारों में शॉपिंग का जोश और ईद की तैयारी

रमज़ान का महीना सिर्फ़ रोज़े और इबादत का ही नहीं, बल्कि ईद की तैयारियों का भी होता है। जयपुर के बाज़ारों में शॉपिंग की धूम मची है। बापू बाज़ार, जौहरी बाज़ार, रामगंज, और चांदपोल में चूड़ियाँ, जूतियाँ, कपड़े और गहनों की खरीदारी ज़ोरों पर है। महिलाएँ ईद के लिए जरी वाले कपड़े, लाख की चूड़ियाँ और रंग-बिरंगे परिधान खरीद रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस महीने में उनकी बिक्री 30-40% तक बढ़ जाती है। रामगंज की सड़कों पर लगे स्टॉल्स पर ईद स्पेशल कपड़े और जूतियाँ लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। रमज़ान के महीने में जयपुर के होटल, ढाबे और स्ट्रीट वेंडर्स का कारोबार 50% तक बढ़ जाता है। छोटे दुकानदार रोज़ाना 10-15 हज़ार रुपये तक की कमाई कर रहे हैं। पुराने शहर के बाज़ारों में हर दिन 10-15 लाख रुपये का टर्नओवर हो रहा है।

क्या चार दीवारी से अवैध डेयरी हटा पाएगा नगर निगम ?

- अवैध संचालकों से नगर निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों से एकस्ट्रा आमदनी होती है।

- भाजपा नेताओं ने अवैध डेयरी हटाने के लिए बैठक जरूर की है लेकिन अवैध डेयरी हटा नहीं पाएंगे।

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के पुराने शहर में अवैध डेयरी पालन धड़ल्ले से हो रहा है। अवैध डेयरीयों में पलने वाली गायें चलते ट्रैफिक, बाजार एवं आबादी में मुश्किल खड़ी कर रही है। हेरिटेज नगर निगम में वैसे तो आवारा पशु पकड़ने की बड़ी टीम है, लेकिन यह टीम जयपुर में अवैध डेयरीयों से पशुओं को अभी तक नहीं हटा पाई है। अवैध डेयरीयों को लेकर पहली बार बाबा हरिशचंद्र मार्ग पर बैठक हुई, जिसमें भाजपा के पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता और किशनपोल विधानसभा से विधायक प्रत्याशी चंद्र मनोहर बटवाड़ा मौजूद थे। बैठक में दोनों ने ही लोगों को आश्वासन दिया कि अवैध डेयरियों पर जल्द ही कार्यवाही होगी। लेकिन कार्यवाही कब होगी? इसका आश्वासन नहीं दिया गया है। यह स्थिति तब है जब जयपुर हेरीटेज में महापौर भाजपा की है और प्रदेश में भाजपा की सरकार है।

क्यों नहीं हट सकती अवैध डेयरीयां :-

शहर की चार दिवारी में दर्जनों अवैध डेयरीयां हैं। नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अवैध आमदनी का जरिया है। दूसरी तरफ गाय पालकों के लिए डेयरी का व्यवसाय बड़ी कमाई वाला है। यह डेयरी पालक इस कमाऊ व्यवसाय को बचाने के लिए गायों के धार्मिक महत्व का हवाला एवं भाजपा का वोट बैंक होने के कारण कार्यवाही नहीं होने देते हैं। भाजपा के लिए गाय वैसे भी एक चुनावी मुद्दा रहता है। इसलिए कानून एवं लोगों की परेशानियों को सरकार नजर अंदाज करती है। जयपुर की चार दिवारी क्षेत्र में नगर निगम में भ्रष्टाचार,गायों का धार्मिक महत्व और भाजपा के लिए चुनावी मुद्दा होने के कारण अवैध डेयरीयों को हटाना आसान नहीं है।

नगर निगम में कई अच्छे अधिकारियों ने अवैध डेयरीयां हटाने की कोशिश की थी लेकिन राजनीतिक दबाब के चलते उनकों पीछे हटना पड़ा। इसलिए डेयरीयों के कारण नुकसान झेल रहे व्यापारियों, पीड़ितों एवं भाजपा नेताओं ने अवैध डेयरीयों को हटाने के लिए बैठक जरूर की है लेकिन अवैध डेयरीयों को हटा नहीं पाएंगे।

आपणो सांगानेर, आपणो विधायक और आपणो ही मुख्यमंत्री फिर भला रंगीलो सांगानेर बनने में कैसी देरी ?

मोहम्मद सादिक हिन्दस्तानी

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। सांगा बाबा की धरती, सांगानेर एक ऐतिहासिक जयपुर का उपनगर है। सबसे ज्यादा राजस्व देने में, सरकारी खजाना भरने में अपनी अहम भूमिका निभाता है। इसके चारों दिशाओं में स्थित चार दरवाजे अपने आदिकाल को दर्शाते थे। जयपुर गेट, मालपुरा गेट, चाकसू गेट और दौसा गेट, सांगानेर की सुंदरता में चार चांद लगाते थे। सन् 80-81 की बाढ़ में दौसा गेट धराशाई हो गया था। वर्तमान के तीन (गेट) दरवाजे अपनी पहचान को तरसने लगे थे। सांगानेर के विधायक एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पैनी नजर ने तीनों गेटों का जीर्णोद्धार के पश्चात रंग रोगन कराकर एक खूबसूरत पहल की है जो कुछ लोगों को पसंद आई, क्योंकि अभी सांगानेर की जटिल समस्याएं ज्यों कि त्यों मुंह फाड़े खड़ी हुई हैं। सांगानेर की जनता 25 वर्षों से भाजपा के शासनकाल को भूल कर आगे बढ़ना चाहती है। जिसके शासन में कोई विकास कार्य नहीं हुए। यह सांगानेर का सौभाग्य है कि पहली बार यहाँ से विधायक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान हुआ है। जिससे सांगानेर की जनता में भारी उमंग पैदा हो गई है। हमारे संवाददाता की सांगानेर के समाजसेवी एडवोकेट पुरुषोत्तम नागर से मुलाकात हुई, जो लगातार सांगानेर की समस्याओं को उठाते आ रहे हैं लेकिन मुख्यमंत्री के संज्ञान में नहीं आ रही है।

निम्न समस्याओं से घिरा है सांगानेर:

संपूर्ण सांगानेर की सीवरेज लाइन जर्जर हो चुकी है। जिसके कारण गली मोहल्ले में सीवरेज का गंदा पानी फैलता हुआ नजर आ जाएगा। अभी तक सांगानेर की बहुत सी कॉलोनियां बीसलपुर पानी से मेहरूम हैं। जल ही जीवन है के तहत जोड़ना अति आवश्यक है। सांगानेर वासियों को एक बड़े उद्यान (पार्क) की अति आवश्यक है। जो सांगा सेतु के पास सैटेलाइट अस्पताल भवन निर्माण हेतु चिन्हित स्थान पर बन सकता है। लेकिन नगर निगम प्रशासन की उदासीनता के कारण भू-माफिया के द्वारा धड़ल्ले से अतिक्रमण हो रहे हैं। नगर निगम प्रशासन की मिली भगत से निर्माण कार्य चल रहे हैं। जिनका रुकना अति आवश्यक है। वर्तमान सैटेलाइट अस्पताल एवं पोस्ट ऑफिस के पास सब्जी मंडी को दूसरी जगह शिफ्ट करनी चाहिए। जिससे आवागमन का रास्ता साफ हो एवं अस्पताल क्षेत्र को गंदगी एवं प्रदूषण से बचाया जाए। मुख्य बाजार में डिवाइडर पर विद्त पोल लगाए जाएं, वर्तमान में रोड के दोनों ओर रोड लाइट के पोल लगे हुए हैं। जो आवागमन में बाधक सिद्ध हो रहे हैं। मुख्य बाजार में फुटपाथ हटाकर भूमिगत L शेप नाली बनाई जाए एवं पानी को स्टोरेज किया जाए। इससे वाटर लेवल में भी इजाफा होगा तथा सड़क की चौड़ाई भी चार-पांच फीट बढ़ जाएगी। वर्तमान में मुख्य बाजार में जाम लगा रहना आम हो गया है। इस समस्या को हल करने के लिए भूमिगत वाहन पार्किंग स्थल वर्तमान घनश्याम बगरेट स्टेडियम में बनाया जा सकता है । रोज-रोज के जाम से निजात पाना अति आवश्यक है। पर्यटन की दृष्टि से बनने वाला कॉरिडोर सांगा बाबा सर्किल का सौंदर्यीकरण करते हुए संघी जी जैन मंदिर सांगा बाबा मंदिर त्रिपोलिया बालाजी मंदिर तथा नामदेव चौक स्थित सात मंदिरों को लेते हुए गयासुद्दीन बाबा की दरगाह से होते हुए वीरों के मोहल्ले में चौथ माता मंदिर का जीर्णोद्धार कर वापस सांगा बाबा सर्किल पर समापन हो।

जो 16 दुकानें फर्जी नाम से बन रही हैं। उनमें संशोधन कर 25 साल से

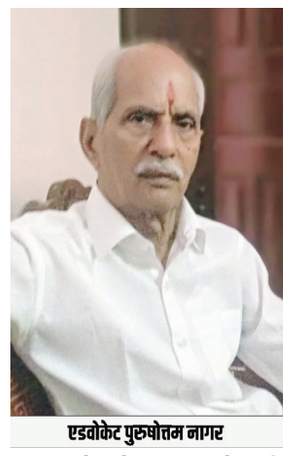

एडवोकेट पुरुषोत्तम नागर

कब्जाधारी गरीब आठ थड़ी वालों को मिलना चाहिए। प्रस्तावित जिला अस्पताल 300 बेड का सर्व सुविधा से लैस खुली जेल में बनना प्रस्तावित है, का निर्माण शीघ्र अति शीघ्र होना चाहिए। वर्तमान में पंचायत समिति कार्यालय तहसील कार्यालय कृषि कार्यालय को रामसिंहपुरा में न्यायालय परिसर के आस-पास भूमि आवंटित कर मिनी सचिवालय का निर्माण अतिशीघ्र करवाना चाहिए। मालपुरा गेट से हलवाई बाजार तक अथवा सांगा बाबा सर्कल से तहसील कार्यालय के आगे तिराहे तक आदर्श बाजार विकसित किए जाने पर विचार करना चाहिए। विद्त खंभों पर अथवा टेलीफोन के खंभों पर केवल कंपनियों ने तारों का जंजाल फैला दिया है। जो शहर की सूरत बिगाड़ रहे हैं और सुरक्षा के लिए भी खतरा है। इन्हें शीघ्र हटाया जाए। विद्त लाइने अंडरग्राउंड हो तथा रास्ते में लगे उनके डीपी बॉक्स सुरक्षा की दृष्टि से ठीक नहीं है, खुले हुए हैं। इन्हें आम रास्ते से शीघ्र हटाना अति आवश्यक है। प्रस्तावित प्रिंटिंग जॉन को हैंडीक्राफ्ट जोन में बदला जाए। इस जोन में हाथ कागज, रंगाई, छपाई तथा अन्य उद्योगों को शामिल कर रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएं।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारिणी बैठक संपन्न

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारिणी बैठक जयपुर में सोमवार को आयोजित गई, जिसमें कांग्रेस संगठन को सशक्त बनाने और जनप्रतिनिधियों को एकजुट कर फासीवादी ताकतों से संघर्ष करने का आह्वान किया गया। इस बैठक में सिविल लाइन विधानसभा प्रभारी एवं प्रदेश कांग्रेस सचिव, एआईसीसी अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रूबी खान ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। बैठक में कांग्रेस पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए नई जिला कांग्रेस कमेटियों के गठन का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया, जिसे अनुमोदन के लिए एआईसीसी को भेजा गया।

इस अवसर पर रूबी खान ने संगठनात्मक मजबूती को लेकर अपने विचार साझा किए और कहा कि कांग्रेस को मजबूत करने के लिए हमें जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना होगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर कांग्रेस की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाएं और फासीवादी ताकतों के खिलाफ मजबूती से लड़ें। बैठक में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट, प्रदेश सहप्रभारी चिरंजीव राव, रुत्विक मकवाना, वरिष्ठ नेता डॉ. सी.पी. जोशी, विजय जांगिड़, विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, शिखा मील (चौमू), इंदिरा मीणा और नवनियुक्त प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्षा सारिका सिंह शामिल रहे।

मदरसा रंगरेज़ान कमेटी विवाद: समाज ने नई कमेटी को किया अमान्य, पुरानी कमेटी को ही वैध बताया

- पूर्व अध्यक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। रंगरेज खंडवारियान लाखसियान हिन्द एज्यूकेशन एण्ड वेलफेयर सोसायटी, जयपुर ने 20 फरवरी को याकूब पालीवाल रंगरेज की अध्यक्षता में गठित नई मदरसा कमेटी को "अवैध और शून्य" घोषित कर दिया है। सोसायटी के अनुसार, यह कार्रवाई पूर्व अध्यक्ष जमालुद्दीन बोलीवाले और मुंशी रंगरेज द्वारा समाज के नियमों के विपरीत की गई "साजिश" का परिणाम है। सोसायटी ने बताया कि मदरसा रंगरेजान तालीमुल कुरान की वर्तमान 6 सदस्यीय कमेटी का गठन 15 सितंबर 2024 को 98 परिवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ था, जिसका कार्यकाल सितंबर 2027 तक मान्य है। अध्यक्ष मुश्ताक अहमद ने कहा, "इस कमेटी के गठन की सूचना पुलिस और मीडिया को दी जा चुकी थी। पूर्व अध्यक्ष को नई कमेटी बनाने का कोई अधिकार नहीं था।"

पूर्व अध्यक्ष पर गंभीर आरोप

पूर्व अध्यक्ष जमालुद्दीन और मुंशी रंगरेज पर 5 जनवरी 2025 को मदरसा भवन के ताले तोड़कर सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर, और किरायेदार का सामान चुराने का आरोप लगाया गया है। ब्रह्मपुरी थाने में इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज है। सोसायटी ने 35 लाख रुपये के वित्तीय अनियमितताओं और नकदी की बकाया रकम का भी जिक्र किया। सोसायटी के अनुसार, 20 फरवरी को हुई बैठक में कोरम पूरा नहीं था और इसमें "एक परिवार के 4-4 सदस्यों को लाकर भीड़ दिखाई गई।" यह बैठक समाज के अध्यक्ष की अनुमति के बिना आयोजित की गई, जो नियमों के विपरीत है। सोसायटी ने स्पष्ट किया कि मौजूदा कमेटी के कार्यकाल के दौरान दूसरी कमेटी गठित करना असंवैधानिक है। हालाँकि, यदि कोई विवाद होता है, तो बैलेट पेपर के माध्यम से पुनः चुनाव करवाया जा सकता है।

इस मामले की जानकारी ब्रह्मपुरी थाना और जयपुर (उत्तर) के डी.सी.पी कार्यालय को दी है। सोसायटी ने कहा कि वह कानूनी रूप से इस मामले को आगे बढ़ाएगी। साथ ही, यदि याकूब पालीवाल समर्थक इस फैसले से असहमत हैं, तो उन्हें बैलेट के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया स्वीकार करनी होगी।

समर्पण संस्था के 15 वें रक्तदान शिविर में 141 युनिट रक्त एकत्रित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मानवता व परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था द्वारा प्रताप नगर सेक्टर 11 स्थित सामुदायिक केन्द्र में आयोजित 15 वें रक्तदान शिविर में कुल 141 युनिट रक्त एकत्रित किया गया।शिविर में सवाई मानसिंह चिकित्सालय ब्लड बैंक द्वारा 42 , राजकीय जयपुरिया हॉस्पिटल ब्लड बैंक द्वारा 30 व स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक द्वारा 69 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस जितेन्द्र राय गोयल ने अन्य अतिथियों व संस्था पदाधिकारियों के साथ फ़ीता काटकर किया। इस अवसर पर "रक्तदान, अंगदान व देहदान का महत्व " विषय पर एक सेमिनार का आयोजन भी किया गया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने सभी का स्वागत अभिनंदन करते हुए संस्था कार्यक्रमों की जानकारी दी। सेमिनार मे मुख्य अतिथि जस्टिस जितेन्द्र राय गोयल ने कहा कि " रक्तदान वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है । एक व्यक्ति के रक्तदान से तीन व्यक्तियों की जान बचाई जा सकती है । नेत्रदान, अंगदान व देहदान के प्रति जागरूकता भी वर्तमान समय में बहुत ज़रूरी है।" इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त आईएएस श्री बी एल नवल ने कहा कि रक्तदान के प्रति आज भी जागरूकता की बहुत कमी है। इसके लिए सामाजिक संस्थायें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रक्तदान शिविर संस्था के सचिव कमल नयन खण्डेलवाल के माता पिता की पावन स्मृति में आयोजित किया गया। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को संस्था की तरफ से प्रशंसा पत्र भी प्रदान किये गये। इस अवसर पर अतिविशिष्ट अतिथि आईएएस नीरज के पवन व डॉ. ओम प्रकाश बैरवा, सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. बी. एल. जाटावत, सेवानिवृत्त प्रधान आयकर आयुक्त अनिल कुमार जैन , संस्था के प्रधान मुख्य संरक्षक प्रमोद कुमार चौरडिया जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

मंच संचालन ऑल इंडिया रेडियो एंकर शिवाली गुप्ता ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन, जयपुर जिला कार्यकारिणी के तत्वावधान में होली स्नेह मिलन समारोह 2025 का भव्य आयोजन ग्लोरियस वेंकट, श्याम नगर, जयपुर में संपन्न हुआ। इस रंगारंग समारोह के मुख्य अतिथि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह (अलवर) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महासचिव सुनील खांडल, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुनील सैनी, श्याम सुंदर पारीक, प्रदेश अध्यक्ष चिरंजी लाल सैनी, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष चमन कंवर, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोनू , प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हरजिंदर सिंह रंधावा, महिला विंग की नीलम सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी के वरिष्ठ पदाधिकारियों जैसे सुधांशु गोस्वामी, उमेश, राम अवतार, कमला, विमला, वैशाली, बिना, गोपाल समेत बड़ी संख्या में सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में गीत-संगीत, नृत्य और पुष्पवर्षा के साथ उल्लास का माहौल बना रहा।

इस आयोजन ने संगठन के सदस्यों के बीच सौहार्द और भाईचारे को प्रोत्साहित किया तथा सामाजिक न्याय और मानव अधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया।

राजस्थान हाई कोर्ट में एपीसीआर की सहायता से बिजयनगर, ब्यावर में दंडात्मक ध्वस्तीकरण पर रोक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) – सिविल अधिकारों की रक्षा करने वाली संस्था एपीसीआर (Association for Protection of Civil Rights) ने राजस्थान हाई कोर्ट के उस आदेश का स्वागत किया है, जिसमें बिजयनगर और ब्यावर में आरोपित मुस्लिम परिवारों पर हो रहे दंडात्मक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है। यह आदेश उस समय आया जब जिला प्रशासन ने एक अपराध में आरोपित मुस्लिम पुरुषों के परिवारों को ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किए थे। मुकदमे में शामिल याचिकाकर्ताओं – सकीर @ शकीर, बेगम बानो, राज मोहम्मद, चाँद मोहम्मद और मोहम्मद सुलेमान – ने संबंधित अधिकारियों को समय पर अपनी प्रतिक्रियाएँ दी थीं, लेकिन इसके बावजूद ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रही। इससे इन परिवारों के सिर पर आश्रय खोने का खतरा मंडरा रहा था। एपीसीआर के वकीलों की मदद से याचिकाकर्ताओं ने इन अव्यावसायिक और मनमाने नोटिसों को चुनौती दी और उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। उनका तर्क था कि इन नोटिसों से प्राकृतिक न्याय, आश्रय का अधिकार और कानून के शासन का उल्लंघन हो रहा है। याचिकाकर्ताओं ने ध्वस्तीकरण नोटिसों को पूरी तरह से रद्द करने की मांग की थी। न्यायमूर्ति महेन्द्र कुमार गोयल ने इस मामले में अंतरिम आदेश जारी करते हुए ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी और कहा, "संपत्ति पर स्थिति यथावत रखी जाए।" इस आदेश से तत्काल प्रभाव से परिवारों को ध्वस्तीकरण से राहत मिली है और उन्हें अपने आश्रय को खोने का खतरा टल गया है।

मुकदमे का विवरण:

मुकदमा शीर्षक: सकीर @ शकीर बनाम राजस्थान सरकार

मुकदमा संख्या: S.B. सिविल रिट पिटीशन नं. 3321/2025

संबंधित मुकदमा: S.B. सिविल रिट पिटीशन नं. 3335/2025

याचिकाएँ तैयार करने वाले: एम हुजैफा, अधिवक्ता

याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता: सैयद सआदत अली, एम हुजैफा, आतिफ अमान, उज़मा इलियास, नदीम क़दीर, आफरीन रिज़वी, सुमित उपाध्याय

एपीसीआर के प्रदेश महासचिव मुजम्मिल रिज़वी ने इस फैसले की सराहना करते हुए कहा, "यह निर्णय सिविल अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। एपीसीआर हमेशा से समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम करता रहा है, और इस आदेश ने यह सिद्ध कर दिया कि न्यायपालिका नागरिकों के अधिकारों के उल्लंघन को स्वीकार नहीं करेगी।"

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

यदुवंश यादव ने ब्राह्मणों को रूस जाने को कहा

बिहार में यदुवंश यादव जो राजद के नेता हैं ने कहा कि डीएनए के अनुसार ब्राह्मण विदेशी हैं और ब्राह्मण रूस से आए हैं। ब्राह्मणों को भारत छोड़कर रूस भगा देना चाहिए। बिहार में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव में जातिवाद का बोलबाला रहने वाला है। इसलिए बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जातिवाद, धर्मवाद एवं नफरत की राजनीति निश्चित रूप से गरमाने वाली है। राजद नेता यदुवंश यादव का ये बयान अनायास ही नहीं दिया गया है। बिहार की राजनीति में एक लंबे समय तक ब्राह्मणों का दबदबा रहा है जबकि उनकी जनसंख्या बिहार प्रदेश में काफी कम है। लेकिन ब्राह्मणों को विदेशी बताना देश के किसी भी नेता के लिए कम हिम्मत का काम नहीं है। वर्तमान में देश की राजनीति में ब्राह्मणों का दबदबा है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में कई मंत्री और राज्यों में कई मुख्यमंत्री हैं। देश के शासन की चाबी अपने हाथ में रखने वाले संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख भी ब्राह्मण जाति से हैं। देश में हिंदुत्व का एजेंडा भी करीब-करीब ब्राह्मणों के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। इस एजेंडे के अनुसार देश के मुसलमानों को विदेशी बताया जाता है और उनको वापस पाकिस्तान एवं बांग्लादेश भेजने की धमकी मिलती रहती है। यही कारण है कि देश में सांप्रदायिक नफरत का माहौल बना रहता है। दूसरी तरफ बुद्धिस्ट दलित नेता भी ब्राह्मणों और सर्वणों को आर्य मानते हैं और आर्य विदेशों से आए हैं। देश की राजनीति में देसी विदेशी, मूल निवासी, जातिवाद एवं धर्मवाद की राजनीति चलती रहती है या फिर यह कहें की देश की राजनीति चल ही इन बातों पर रही ही है। देश की नफरत एवं विभाजन की राजनीति में देश के मुख्य मुद्दों जैसे शिक्षा, बेरोजगारी, विकास से आम जनता का ध्यान भटका दिया है। यही कारण है कि देश में शिक्षा, रोजगार, विकास, भ्रष्टाचार, युवाओं में बढ़ती नशाखोरी से ज्यादा मंदिर-मस्जिद, दरगाह, सनातन, मुसलमान एवं पाकिस्तान की चर्चा हो रही है। देश का औद्योगिक उत्पादन घटने लगा है, बेरोजगारी बढ़ती जा रही है, देश के बैंक डूब रहे हैं, निवेशकों के पैसे शेयर बाजार में फंसे पड़े हैं। लेकिन देश का नेतृत्व अलग ही तरह की क्रिया-प्रतिक्रिया कर रहा है। देश में नेतृत्व करने वाले पार्टी के कई मुख्यमंत्री होली और रमजान की राजनीति को हवा दे रहे हैं। जनता को विभिन्न गुटों में बांटना चाहते हैं। उनको देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी एवं भ्रष्टाचार से कोई लेना देना नहीं है। सिर्फ सत्ता की कुर्सी बचाने के लिए नफरत की राजनीति पर उतारू हो रहे हैं। नफरत की राजनीति में देश का कोई सा राजनीतिक दल पीछे नहीं है। कर्नाटक में सरकारी ठेकों में 4 प्रतिशत आरक्षण देना मुसलमानों के लिए लाभदायक नहीं होने वाला है, इससे हिंदू मुस्लिम के बीच दूरियां और बढ़ेगी। कर्नाटक सरकार को चाहिए था कि सरकारी ठेकों, कार्यों एवं दफ्तरों में भेदभाव एवं पक्षपात रोका जाना चाहिए था। सभी के साथ समान व्यवहार पर जोर देना था, लेकिन उसने भी नफरत की राजनीति की।

भाजपा की सरकारें और देश का मुसलमान

- भाजपा की सरकारों ने देश के मुसलमानों की शिक्षा, उसके शिक्षण संस्थान, उनकी भाषा, उनके धर्म और वजूद पर ऐसे हमला बोल रखा है जैसे पूरे समुदाय के खिलाफ अघोषित जंग का ऐलान कर रखा हो।

भाजपा के सरकारों ने देश के मुसलमानों की शिक्षा, उसके शिक्षण संस्थान, उनकी भाषा उनके धर्म और वजूद पर ऐसे हमला बोल रखा है जैसे पूरे समुदाय के खिलाफ अघोषित जंग का ऐलान कर रखा हो। भाजपा के नेताओ में होड़ मची हुई हैं कि कौन सबसे ज्यादा मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले बयान देगा। जो ज्यादा नफरत फैलाने वाले बयान देगा वही भाजपा का बड़ा नेता कहलाएगा। हाल के दिनों में मुसलमानों को होली और रमजान को लेकर टारगेट किया है। देश में ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब होली और रमजान साथ आए हो। लेकिन इससे पहले सब ने आपस में भाईचारे से इसका आयोजन किया था। मुसलमान शांति से जुम्मे की नमाज अदा करते थे और हिंदू भाई प्रेम से अपने होली का त्यौहार मनाते थे। लेकिन इस बार होली के बहाने मुसलमानों का टारगेट किया गया और इसमें भाजपा के नेताओं ने अपने बयानों से देश के संविधान को ही तार-तार कर दिया। यूपी में बलिया से भाजपा विधायक केतकी सिंह ने तो सारी हदें पार कर दी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी से अपने क्षेत्र में एक अस्पताल बनवाने की मांग करते हुए मांग कर डाली कि इस अस्पताल में मुसलमानों के इलाज के लिए एक अलग से ही कमरा बना दिया जाए ताकि हिंदू बिना डर के अपना इलाज करवा सके। अब जरा कल्पना कीजिए कि विधायक आज अस्पताल में मुसलमानों के लिए अलग कमरे की मांग करती है। कल मुसलमानों के लिए अलग गांव की, अलग शहर की, शहर में अलग मोहल्ले अलग स्कूल की मांग करेंगी। विधायक का यह बयान देश के संविधान का खुला उल्लंघन है। क्योंकि संविधान तो गारंटी देता है कि सरकार देश के नागरिकों में धर्म, जाति, रंग लिंग किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करेगी। इस विधायक का बयान संविधान के विरुद्ध है और कायदे से यूपी के उच्च न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग को स्वत संज्ञान लेकर इस संविधान वीरोधी बयान पर विधायक की विधायकी को खत्म करना चाहिए। लेकिन हर तरफ सन्नाटा है, कोई भी संवैधानिक संस्था अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी पूरी करने को तैयार नहीं है। क्योंकि मामला मुसलमानों से जुड़ा हुआ है और आज देश में एक नागरिक के तौर पर उनकी कोई हैसियत नहीं है। यूपी के एक मंत्री रघुराज सिंह तो विधायक केतकी सिंह से भी आगे निकल गए। उन्होंने सावर्जनीक रूप से कहा कि जिन मुसलमानों को होली पर रंग से परहेज है वे अपनी टोपी को रंग से बचने के लिए तिरपाल का बना बुर्का

पहनकर घर से बाहर निकलें। इस सब में हैरानी की बात यह है इन नफरती बयानों पर भी कहीं से कोई कार्यवाही करने वाला नहीं है। अब बात करते हैं कि कैसे भाजपा सरकारों ने मुसलमानों की शिक्षा और शिक्षण संस्थानों पर हमला बोल रखा है। प्रधानमंत्री मोदी जी कहते थे कि वे मुस्लिम बच्चों के एक हाथ में कुरआन और एक हाथ में कंप्यूटर देखना चाहते हैं। लेकिन वे जब से प्रधानमंत्री बने हैं तब से लगातार अल्पसंख्यक मामलात विभाग का बजट कम कर रहे हैं और जो बजट में राशि घोषित होती है उसका 40 फीसदी भी खर्च नहीं करते हैं और बाकी घोषित बजट लेप्स हो जाता है। उन्होंने प्रीमैट्रिक स्कॉलरशिप तकरीबन बंद कर दी है । जबकि इसके कारण गरीब मुस्लिमों के बच्चों की दसवीं तक की शिक्षा हासिल कर लेते थे। उच्च शिक्षा में मुसलमानों की भागीदारी बहुत कम थी तब मनमोहन सिंह की सरकार ने मुस्लिमों में उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ाने के मौलाना आजाद फेलोशिप योजना शुरू की थी ताकि इसके जरिए उनको स्कॉलरशिप देकर देश और विदेश में उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसर उपलब्ध करवाए जा सके। लेकिन मोदी जी ने मौलाना आजाद फेलोशिप योजना को बंद कर दिया है। ताकि मुसलमानों के बच्चे उच्च शिक्षा हासिल नहीं कर सके। अब बात करते हैं मुसलमानों के शिक्षण संस्थानों की व संविधान का अनुच्छेद 29,30 मुसलमानों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने और उन्हें संचालित करने का अधिकार देता है। लेकिन भाजपा की सरकार मुसलमानों के हर शिक्षण संस्थान को बंद कर देना चाहती है। पहले तो यूपी सरकार ने जांच के नाम पर यूपी के सैकड़ों मदरसों को बंद किया फिर यूपी मदरसा बोर्ड अपने स्तर पर परीक्षा करवाने और डिग्री देने का अधिकार रखता था उस अधिकार को छिना गया। ऐसे ही असम में भाजपा के मुख्यमंत्री हेमंत विस्बा शर्मा ने असम के चार सौ मदरसों को बंद कर दिया और सार्वजनिक रूप से कहते हैं कि असम में कोई मदरसा नहीं चलने देंगे।

अब बात करते हैं मुस्लिमों के उच्च शिक्षा के शिक्षण संस्थानों की यूपी में योगी सरकार ने आजम खान द्वारा स्थापित रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी को बर्बाद कर दिया और आजम खान पर भैस चोरी, मुर्गी चोरी और बकरी चोरी जैसे सैकड़ों मुकदमे लगाकर उसे जेल में डाल दिया ताकि किसी भी तरह से जौहर यूनिवर्सिटी को बंद किया जा सके। ऐसा ही खेल असम के मुख्यमंत्री मेघालय में यूनिर्वसीटी स्थापित करने वाले मेहबूब उल हक साथ खेला गया। असम सरकार ने उनको जेल में डाल दिया। जबकि मेहबूब उल हक की यूनिवर्सिटी मेघालय में थी और उनके द्वारा स्थापित मेडिकल कॉलेज से मेघालय की जनता को बहुत फायदा हो रहा था। यहां तक कि यह यूनिवर्सिटी आस-पास के दर्जनों गांवों को गोद लेती थी और उन गांवों के बच्चों को मुफ्त में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक मुफ़्त उपलब्ध करवाती थी। लेकिन आज आजम खान और महबूब उल हक जेल में है अब बात करते हैं भाषा की, वैसे तो भाषा कोई धर्म नहीं होता है। लेकिन उत्तर भारत के ज्यादातर मुसलमान उर्दू बोलते हैं ऐसे यूपी के मुख्यमंत्री उर्दू से नाराज हो गए और उन्होंने विधानसभा में कह दिया कि उर्दू से सिर्फ कठमुल्ला पैदा होते हैं। उन्हे यह याद ही नहीं रहा कि देश के पहले राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की प्राथमिक शिक्षा उर्दू में ही हुई थी। ऐसे देश के 10 साल प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह और प्रधानमंत्री आई के गुजराल साहब की भी प्रारम्भिक शिक्षा उर्दू में ही हुई थी। राजस्थान की भाजपा सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर तो खुले आम है कि स्कूलों में उर्दू नहीं चलने देंगे जबकि उर्दू राजस्थान में तृतीय भाषा के रूप से एक मान्यता प्राप्त भाषा है। उन सारी बातों से आसानी से समझा जा सकता है कि कैसे भाजपा की सरकारे मुसलमानों को कुचलनें की कोशिशें कर रही है। ऐसे में भी धर्म निरपेक्ष सोच वाले लोगों की जिम्मेदारी है कि वे खुलकर इस अन्याय का मुकाबला करें क्योंकि यह हमारे देश के लोकतंत्र और संविधान पर हमला है।

डॉ. एस. खान

भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां - देश के प्रख्यात शहनाई वादक थे

(जन्म तिथि 21 मार्च पर विशेष आलेख)

शादी के मौके पर जब शहनाई बजती है तब बिस्मिल्लाह खां की शहनाई की याद आ जाती है। भारत में विविध पारम्परिक मौको पर शहनाई को आज भी पसंद करते हैं। बिस्मिल्लाह खां ने शहनाई बजाने की कला को पूरे विश्व से पहचान करवाई। उस्ताद बिस्मिल्लाह खां हिन्दस्तान के प्रख्यात शहनाई वादक थे। उनका जन्म 21 मार्च 1916 को डुमरांव, बिहार में हुआ था। उस्ताद बिस्मिल्ला खां को सरकार ने 2001 में भारत देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। बिस्मिल्लाह खां ने शहनाई बजाने की कला से पूरे विश्व में शहनाई को एक अलग पहचान दिलवाई। बिस्मिल्लाह खां का जन्म बिहार में एक मुस्लिम परिवार पैगम्बर खाँ और मिन बाई के यहाँ बिहार के डुमराँव के ठठेरी बाजार के एक किराए के मकान में हुआ था। उस रोज भोर में उनके पिता पैगम्बर बख्श राज दरबार में शहनाई बजाने के लिए घर से निकलने की तैयारी ही कर रहे थे कि उनके कानों में एक बच्चे की किलकारियां सुनाई पड़ी। अनायास सुखद एहसास के साथ उनके मुहं से बिस्मिल्लाह शब्द ही निकला। उन्होंने अल्लाह के प्रति आभार व्यक्त किया। हालांकि उनका बचपन का नाम कमरुद्दीन था। लेकिन वह बिस्मिल्लाह के नाम से जाने गए जिसका शाब्दिक अर्थ है, शुरु करना। वे अपने माता-पिता की दूसरी सन्तान थे। उनके खानदान के लोग दरबारी रागब जाने में माहिर थे जो बिहार की भोजपुर रियासत में अपने संगीत का हुनर दिखाने के लिए अक्सर जाया करते थे। उनके

पिता बिहार की डुमराँव रियासत के महाराजा केशव प्रसाद सिंह के दरबार में शहनाई बजाया करते थे। बिस्मिल्लाह खान के परदादा हुसैन बख्श खान, दादा रसूल बख्श, चाचा गाजी बख्श खान और पिता पैगंबर बख्श खान शहनाई वादक थे। 6 साल की उम्र में बिस्मिल्लाह खां अपने पिता के साथ बनारस आ गए। वहां उन्होंने अपने मामा अली बख्श 'विलायती से शहनाई बजाना सीखा। उस्ताद का निकाह 16 साल की उम्र में मुग्गन ख़ानम के साथ हुआ। वे हमेशा एक बेहतर पति साबित हुए। वे अपनी बेगम से बेहद प्यार करते थे। लेकिन शहनाई को भी अपनी दूसरी बेगम कहते थे। लगातार 30-35 सालो तक साधना, छह घंटे का रोज रियाज उनकी दिन चर्यया में शामिल था। 1947 में भारत की आजादी की पूर्व संध्या पर बिस्मिल्लाह खान ने लहराते तिरंगे के साथ लाल किले पर अपनी राग काफी बजाकर अपनी कला का प्रदर्शन कर आजाद भारत का स्वागत किया। उन्हें बहुत से अवॉर्ड से नवाजा गया जिनमें प्रमुख संगीत नाटक अकादमी (1965), पद्मश्री (1961), पद्म भूषण (1968), पद्म विभूषण (1980), रिपब्लिक ऑफ ईरान द्वारा तलार मौसिकी (1992), मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तानसेन अवॉर्ड, भारत रत्न (2001) से सम्मानित किया गया था। बिस्मिल्लाह खां ने 'कजरी, 'चेती और 'झूला जैसी लोकधुनोंमें अपनी तपस्या और रियाज से खूब संवारा और क्लासिकल मौसिकी में शहनाई को सम्मानजनक स्थथान दिलावाया। बिस्मिल्लाह खां भी अन्य हिन्दस्तानी संगीत कारों की भांति धार्मिक रीति रिवाजों के प्रबल पक्षधर थे। वे काशी के बाबा विश्वनाथ मन्दिर में जाकर तो शहनाई बजाते ही थे इसके अलावा वे गंगा किनारे बैठकर घण्टों रियाज भी किया करते थे। वह पांच वक्त के नमाजी थे, हमेशा त्यौहारों में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे, पर रमजान के दौरान रोजा रखते थे। वे जात पात को नही मानतें थे। उनके लिए संगीत ही उनका धर्म था। वे सही मायने में हमारी साझी संस्कृति के सशक्त प्रतीक थे। भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां का इंतकाल 21 अगस्त, 2006 को वाराणासी में हो गया था। भारत सरकार ने उनकी मृत्यु के दिन को राष्ट्रीय शोक घोषित किया था।

राजस्थान पुलिस के जांबाज़ योद्धा थे फूल मोहम्मद

-17 मार्च पुण्य तिथि

राजस्थान पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्त हुए फूल मुहम्मद 1997 में इंस्पेक्टर बने। मूलत: सीकर जिले के खिरवा गांव के निवासी फूल मोहम्मद का परिवार जयपुर के झोटवाड़ा थाना इलाके में जोशी मार्ग पर रहता है।उनके परिवार में पत्नी और छह बच्चे हैं। सवाई माधोपुर के मान टाउन थाना क्षेत्र के सूरवाल गांव में 17 मार्च 2011 को लोग मृतका दाखा देवी के हत्यारो कों गिरफ्तार करने और पीड़ित के परिजनों को मुआवजे की मांग कर रहे थे। इसी दौरान राजेश मीणा व बनवारी बोतलों में पेट्रोल लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गए और आत्महत्या की धमकी देने लगे। बनवारी को लोगो नें नीचे उतार लिया लेकिन राजेश पेट्रोल से खुद को आग लगाकर टंकी से नीचे कूद गया। इससे मौके पर जमा भीड़ आक्रोशित हो गई और वहां मौजूद पुलिस जाप्ते को ही घेरकर दो पुलिस जीपो व बाइक कों आग लगा दी। एक जीप में सवार मानटाउन थाना प्रभारी फूल मुहम्मद खान (42) को ज़िन्दा जला दिया गया। पुलिस बल फूल मुहम्मद को जलता छोड़कर भाग खड़ा हुआ। शाम करीब साढ़े छह बजे तत्कालीन एसपी डॉ. विष्णुकांत खुद भारी संख्या में पुलिस जाप्ता लेकर मौके पर पहुंचे और हवाई फायर कर कस्बे में घुसने के बाद जीप से जला हुआ शव बरामद किया। इस जांबाज़ पुलिस अधिकारी को ज़िन्दा जला दिए जाने के बाद भी पुलिस वालो की नींद नहीं टूटी। वह बेइंतिहा लापरवाही का बार - बार सबूत देती रही। उनके शव को दो सिपाही जीप में रखकर ले गये , लेकिन जनाज़े के समय सरकार की ओर से कोई प्रतिनिधि मौजूद नही था और नही पुलिस का कोई अधिकारी ही मौजूद था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एक हाथ और एक पांव गुम होना बताया गया था, लेकिन पुलिस की ओर से इन्हहें तलाशने की कोशिश नहीं की गई। मुकदमा दर्ज होने के बाद तीन दिन तक पुलिस अधिकारी मौक़े का मुआयना करने नही गए, नक्शा मौक़ा नही बनाया, घटना स्थल का सूक्ष्म निरीक्षण नहीं किया।

तीन दिन के बाद पत्थरो के नीचे फूल मोहम्मद का एक हाथ और एक पांव बरामद किया गया। शव को पहले ही दफ्न कर दिया गया था अब मिले अन्य अंगो कों भी दफ्न किया गया। इस मामले के प्रति पुलिस की लापरवाही के चलते पूरा हत्याकांड बिना किसी समुचित जांच और कार्रवाई के एक तरह से खत्म हो गया और साम्प्रदायिकता एवं पक्षपात का नया अध्याय रच गया। हमें नाज़ है इस बहादुर पुलिस अधिकारी पर, जिसने देश और समाज की खातिर ज़िन्दा जल जाना पसंद किया। कर्तव्य पथ पर अडिग रहने वाले इस जाँबाज योद्धा को सलाम

हर हैसियत मंद को जकात और फ़ितरा देना जरूरी

रमजान का पाक महीना चल रहा है इस महीने में मुसलमान अल्लाह की इबादत करते हैं और रोज़ा रखते हैं। रमजान में रोज़ा-नमाज और कुरान पढ़ने के साथ जकात और फितरा देने का भी बहुत बड़ा महत्व होता है। दरअसल, ईद की नमाज से पहले हर मुसलमान को जकात और फितरा अदा करना होता है यह जकात और फितरा ऐसे लोगों पर फर्ज है जिनके पास 60000 रुपए कैश या 60000 का जेवर है उन लोगों पर जकात और फितरा फर्ज होता है।

कुल राशि का 2.5 फीसदी हिस्सा होता है जकात

इस्लाम में यह भी कहा गया है कि अल्लाह ताला ने ईद का त्योहार गरीब और अमीर सभी के लिए बनाया है। गरीबी के वजह से लोगों की खुशी में कमी ना आए इसलिए जकात और फितरा देना जरूरी होता है ताकि ऐसे जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर भी मुस्कान आ सके और वह भी खुशी-खुशी ईद का पर्व अपने परिवार के साथ मना सके। इस्लाम में रमजान के पाक महीने में हर हैसियत मंद मुसलमान पर जकात देना जरूरी बताया गया है। आमदनी से पूरे साल में जो बचत होती है, उसका 2।5 फीसदी हिस्सा किसी गरीब या जरूरतमंद को दिया जाता है।

1000 में 25 रुपए होता है फितरा

सहरसा की हटिया गाछी स्थित मस्जिद के इमाम नुरुल्लाह रहमानी ने बताया कि ऐसे लोग जिनके पास 60000 रकम है ऐसे व्यक्ति को फितरा निकलना उन पर फर्ज है। फितरे की रकम गरीब तबके के लोगों को दी जाती है यह भी कहा गया है कि जो लोग रमजान में रोज़ा रखते हैं और रोज़ा में जो खराबी आई जिन्होंने झूठ बोल दिया या कोई गुनाह कर दिया जो रमजान के महीने में ये सब नहीं करना चाहिए था अगर रोज़ा में यह सब काम कर दिया तो इन तमाम गंदगियों से पाक साफ होने के लिए भी फितरा और जकात अदा किया जाता है वहीं 1000 में 25 रुपए फितरा के तौर पर निकाले जाते हैं।

आजाद हिंद फौज के हीरो कर्नल महबूब अहमद

जन्मदिन पर विशेष...

आजाद हिंद फौज के नायक और अंग्रेजी साम्राज्य से टक्कर लेने वाले एक महान योद्धा कर्नल महबूब अहमद का जन्म 19 मार्च 1920 को पटना के एक छोटे से गांव में हुआ। उनके पिता डॉक्टर थे इसलिए महबूब की पढ़ाई लिखाई भी अच्छे माहौल में हुई शुरुआती पढ़ाई देहरादून में हुई उसके बाद महबूब अहमद इंडियन मिलिट्री एकेडमी i.m.a. देहरादून में पड़े अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण कर के ब्रिटिश सेना में सेकंड लेफ्टिनेंट के पद पर भर्ती हुए दरअसल एक मौके पर कर्नल मेहबूब अहमद ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का देश प्रेम से जुड़ा एक भाषण सुना,जिससे वह अंग्रेज़ी हुकूमत की नौकरी छोड़कर आजाद हिंद फौज में शामिल होने का जज्बा दिया। दिलचस्प बात यह है कि म्यांमार की सीमा पर कर्नल मेहबूब अमहद की पहली मुठभेड़ ब्रिटिश सेना से ही हो गई। जिसमें उन्होंने अंग्रेजी सेना के छक्के छुड़ाकर आजाद हिंद फौज को ऐतिहासिक जीत दिलाई। 1944 में इंफाल के करीब एक लंबी लड़ाई के बाद आज़ाद हिंद फौज के योद्धा कर्नल शौकत मलिक, लाल सिंह, रामप्रसाद मोहम्मद खान, मेजर आबिद हसन के साथ मिलकर उन्होंने इंफाल में आजाद हिंद फौज का परचम लहरा दिया। आजाद हिंद फौज में सभी धर्मों के लोग थे। आज देश में जो लोग सांप्रदायिक माहौल पैदा करने की कोशिश करते हैं उन्हें इन जांबाज़ों की जीवनी पढ़ने की जरूरत है। कर्नल महबूब अहमद अपनी किताब 'मौत की मस्ती और जीने का शौक' में अपने साथियों को याद करते हुए लिखते है कि तमाम चेहरे जो हर पल मेरे साथ आसपास साए की तरह है वह सब हमारे सथी दोस्त हैं। जिनमें कर्नल हबीब, कैप्टन रामसिंह, शौकत मलिक से लेकर हम सब चहते अजीज नेताजी सुभाष चंद्र बोस है। नेताजी जिनकी कल्पना भर से हमारी भुजाएं फड़कने लगती है और काफी देर तक कानों में जय हिंद का शंखनाद गूंजता रहता है उनकी यह किताब 1993 में उर्दू

जबान में बिहार की ऐतिहासिक लाइब्रेरी से प्रकाशित कराई थी। कर्नल मेहबूब अहमद ने आखरी सांस 9 जून 1992 में ली जिनके कानों में आखरी सांस तक गूंजता रहा 'जय हिंद'

देश के नाम पर भारत में शहीद होने वाले पहले मुस्लिम थे राजा हसन मेवाती

-राजा हसन मेवाती के 499 वें शहादत दिवस पर विशेष

हसन खान मेवाती का जन्म मेवात में हुआ था। उनके पिता अलावल पूर्व शासक खानजादा और मेवात राज्य के एक महत्वाकांक्षी मुस्लिम राजपूत शासक थे। उनके वंश ने लगभग 150 वर्षषों तक मेवात राज्य पर शासन किया था। वह राजा नाहर खान मेवाती के वंशज थे, जो 14 वी शतांब्दी में मेवात के वली थे। उन्होनें 1492 में अलवर किले का निर्ममाण किया। हसन खां 1505 ई. में मेवात के राजा बनें। 1526 ईसवीं में जब मुगल बादशाह बाबर ने हिंदुस्तान पर हमला किया तो इंब्राहीम लोदी, हसन खां मेवाती तथा दिगर राजाओ नें मिलकर पानीपत के मुकाम पर बाबर का मुकाबला किया। इसमें राजा हसन खां के पिता अलावल खां शहीद हो गए। पानीपत की विजय के बाद बाबर ने दिल्ली और आगरा पर तो अपना अधिकार जमा लिया लेकिन भारत सम्राट बनने के लिये उसे महाराणा संग्राम सिंह (मेवाड) और हसन खां (मेवात) बाबर के लिये कडी चुनौती के रूप में सामना करना पड़ा । बाबर ने हसन खां मेवाती को अपने साथ मिलाने के लिये उन्हहें इस्लाम का वास्ता दिया और एक लडाई में बंधक बनाये गये राजा हसन खा के पुत्र को बिना शर्त छोड दिया, लेकिन राजा हसन खां की देश भक्ति के सामने धर्म का वास्ता काम नही आया। बाबर नें राजा हसन खान मेवाती को पत्र लिखा और उस पत्र में लिखा ''बाबर भी कलमा-गो है और हसन ख़ान मेवाती भी कलमा- गो है, इस प्रकार एक कलमा-गो दूसरे कलमा-गो का भाई है इसलिए राजा हसन ख़ान मेवाती को चाहिए की बाबर का साथ दे। राजा हसन खान मेवाती ने बाबर को खत लिखा और उस खत में लिखा ''बेशक़ हसन ख़ान मेवाती कलमा-गो है और बाबर भी कलमा-गो है, मगऱ मेरे लिए मेरा मुल्क (भारत) पहले है और यही मेरा ईमान है इसलिए हसन खान मेवाती राणा सांगा के साथ मिलकर बाबर के विरुद्ध युद्ध लड़ेगा। मुल्क़ का नाम लेकर भारत वर्ष में शहीद होने वाले वह पहले व्यक्ति थे। देशभक्ति की मिसाल थे राजा हसन खां मेवाती वतन परस्ती की मिसाल थे। हसन खां मेवाती भारत माता के वो सच्चे सपूत थे जिन्होनें बाबर को रोकने के लिए अपने राज्य की कुर्बबानी तक दे दी। बाबर ने मजहब की दुहाई के साथ कई और लालच दिए, लेकिन मेवाती ने उनका पैगाम ठुकरा कर देश भक्ति को चुना। इसके बाद बाबर

ने धमकी देना शुरु किया, बाबर ने लिखा कि मैं तुम्हारे पुत्र को रिहा कर दूंगा, तुम मेरे से आकर मिलो, इसपर मेवाती ने जवाब दिया कि अब हमारी मुलाकात युद्ध के मैदान में होगी। खानवा की लड़ाई मेवाड़ के राणा सांगा और बाबर के बीच हुई। उस समय हसन खां मेवाती की देशभक्ति देशभर में प्रसिद्ध हो चुकी थी। हसन खां मेवाती ने इस लड़ाई में राणा सांगा का साथ दिया। 15 मार्च 1527 को हसन खां ने राणा सांगा के साथ मिलकर खानवा के मैदान में बाबर के साथ जमकर युद्ध किया। अचानक एक तीर राणा सांगा के सिर पर आ गया और वे हाथी से नीचेगिर पड़े, फिर सेना के पैर उखडने लगे तो सेनापति का झण्डा खुद राजा हसन खां मेवाती ने संभाल लिया और बाबर सेना को ललकारते हुए उनपर जोरदार हमला बोल दिया। राजा हसन खां मेवाती के 12 हजार घुड़सवार सिपाही बाबर की सेना पर टूट पड़े और उनपर भारी पड़ते दिखे, फिर अचानक एक तोप का गोला राजा हसन खां मेवाती के सीने पर आ लगा और मेवाती लड़ते लड़ते वीर गति को प्राप्त हो गए।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

दीनी सवालात.....

सवाल:- अगर किसी इंसान का ज़बर्दस्त एक्सीडेंट हुआ जिसकी वजह से उसके शरीर के हिस्से बिखर गए और डॉक्टर ने प्लास्टिक में पैक करके दिए, तो उसे ग़ुस्ल कैसे दें और क्या उसकी नमाज़े जनाज़ा पढ़ी जाएगी?

जवाब:- इस सूरत में ग़ुस्ल का तरीक़ा यह होगा कि प्लास्टिक के ऊपर ही पानी बहा दिया जाए, यही ग़ुस्ल माना जाएगा। ऐसी डेड बॉडी की नमाज़े जनाज़ा आम जनाज़े की तरह पढ़ी जाएगी और दफ़न करने का तरीक़ा भी वही रहेगा।

सवाल:- मैंने पिछले साल ज़कात नहीं दी थी, अब देनी है तो क्या सोना-चांदी की रक़म पिछले साल की रेट के हिसाब से होगी या मौजूदा रेट के हिसाब से?

जवाब:- पिछले साल की ज़कात पिछले साल के रेट के मुताबिक़ अदा करनी होगी और इस साल की ज़कात इस साल के रेट के मुताबिक़।

सवाल:- एक औरत तीन महीने की प्रेग्नेंट है और रोज़ा रखने से थोड़ी मुश्किल हो रही है तो उसके लिए क्या हुक्म है?

जवाब:- अगर थोड़ी मुश्किल हो रही है तो रोज़ा रखना चाहिए, लेकिन अगर रोज़ा रखने से ज़्यादा परेशानी हो रही हो या डॉक्टर की राय हो कि इससे मां या बच्चे को नुक़सान हो सकता है, तो अभी रोज़ा ना रखने की इजाज़त है अलबत्ता बाद में क़ज़ा करना ज़रूरी होगा।

सवाल:- मेरी किराने की दुकान है और लोगों में मेरा दो लाख बक़ाया है। लोग पुराना चुका कर फिर से उधार ले लेते हैं। इस सूरत में ज़कात का क्या तरीक़ा होगा?

जवाब:- अगर उधारी ऐसे लोगों पर है जो पैसे वापस करने की हालत में हैं और आम तौर पर चुका देते हैं, तो इस रक़म पर ज़कात वाजिब होगी। लेकिन अगर ऐसा क़र्ज़ है जिसके मिलने की उम्मीद बहुत कम हो, तो जब तक वह मिल ना जाए, उस पर ज़कात नहीं। आपने जो सूरत बयान की है, उस पर ज़कात है।

सवाल:- कपड़े पर नापाकी लगी थी, लेकिन यह नहीं पता कि कब लगी, तो इस दौरान जो नमाज़ें पढ़ी गईं, उनका क्या हुक्म है?

जवाब:- अगर किसी को बाद में पता चला कि कपड़े नापाक थे, तो जो नमाज़ें पढ़ी गईं, वो दोबारा पढ़नी होंगी। लेकिन अगर यह यक़ीन ना हो कि नापाकी कब लगी, तो ग़ालिब गुमान पर अमल करते हुए उस समय से नमाज़ें लोटाएंगे, जबसे नापाक होने पर दिल जमे।

सवाल:- क्या मोबाइल में क़ुरआन शरीफ़ पढ़ सकते हैं और फ़िर ऐसा मोबाइल लेकर वॉशरूम जाना कैसा?

जवाब:- मोबाइल में क़ुरआन पढ़ना बिल्कुल जायज़ है, क्योंकि यह स्क्रीन पर डिजिटल फॉर्म में होता है और मोबाइल में क़ुरआन पढ़ने से मोबाइल क़ुरआन नहीं बन जाता, इस लिए उसे वॉशरूम ले जाने में भी हर्ज नहीं लेकिन यह ज़रूर एहतमाम करना चाहिए कि ऐसे किसी भी मौक़े पर मोबाइल स्क्रीन पर क़ुरआन की आयतें, या क़ुरआनिक एप्लीकेशन खुली ना हों।

सवाल:- हमारे ससुर का इंतक़ाल हो गया है और सास इद्दत में है, उन्हें किन लोगों से पर्दा करना होगा?

जवाब:- इद्दत का पर्दा कोई स्पेशल पर्दा नहीं बल्कि जिन ग़ैर महरमों से आम दिनों में पर्दा है, उन्हीं से इद्दत में भी पर्दा है और इसी लिए बेटों, पोते-नातियों और सगे भतीजे-भांजों से पर्दा करने की ज़रूरत नहीं, क्योंकि वो महरम होते हैं।

सवाल:- रोज़े की हालत में ज़ुबान से फ़ोन की बैटरी का करंट चेक करना कैसा है?

जवाब:- अगर कोई व्यक्ति ज़ुबान से बैटरी का करंट चेक करे और उसका कोई अंश पेट में चला जाए, तो रोज़ा टूट सकता है लेकिन चूंकि आम तौर पर ऐसा नहीं होता इस लिए इसमें हर्ज नहीं मगर हेल्थ के एंगल से अगर ठीक नहीं तो

सवाल:- क्या मोबाइल में क़ुरआन शरीफ़ पढ़ सकते हैं और फ़िर ऐसा मोबाइल लेकर वॉशरूम जाना कैसा?
जवाब:- मोबाइल में क़ुरआन पढ़ना बिल्कुल जायज़ है, क्योंकि यह स्क्रीन पर डिजिटल फॉर्म में होता है और मोबाइल में क़ुरआन पढ़ने से मोबाइल क़ुरआन नहीं बन जाता, इस लिए उसे वॉशरूम ले जाने में भी हर्ज नहीं लेकिन यह ज़रूर एहतमाम करना चाहिए कि ऐसे किसी भी मौक़े पर मोबाइल स्क्रीन पर क़ुरआन की आयतें, या क़ुरआनिक एप्लीकेशन खुली ना हों।

सवाल:- क्या उतारे हुए कपड़ों पर जिन्न या ख़बीस का साया हो सकता है? इससे बचने का क्या तरीका है?

जवाब:- इस्लामी तालीमात के मुताबिक़, ऐसा कुछ नहीं होता, ये ग़लत फ़हमियां हैं।

सवाल:- फ़तवा और बयान क्या होता है और फ़तवा कौन दे सकता है?

जवाब:- फ़तवा इस्लामी क़ानून यानी शरीअत के अनुसार किसी मसले का विश्लेषण या विशेष उत्तर होता है, जो योग्य मुफ्ती दे सकता है जबकि बयान आम धार्मिक जानकारी होती है। फ़तवा केवल वही व्यक्ति दे सकता है, जो इस्लामी फिक़्ह, हदीस, क़ुरआन और उसकी तफ़सीर में योग्य हो और उसे किसी प्रतिष्ठित इदारे से उसकी इजाज़त प्राप्त हो।

सवाल:- क्या रोज़े की हालत में बालों में अंडा या ऐलोवेरा लगाया जा सकता है?

जवाब:- हां, रोज़े की हालत में सिर पर अंडा या ऐलोवेरा लगाने में कोई हर्ज नहीं।

सवाल:- सेहरी के बाद ब्रश करने से हल्का ठंडा एहसास और हल्का स्वाद 15-20 मिनट तक रहता है, क्या ऐसे में रोज़ा हो जाएगा?

जवाब:- कोई दिक्कत नहीं।

सवाल:- अगर किसी पर क़र्ज़ हो, तो क्या वह क़र्ज़ चुकाने के लिए ज़कात ले सकता है?

जवाब:- हां, अगर वह ज़कात का हक़दार है यानी उसकी मालियत निसाब से कम है और उसके पास कोई दूसरा ज़रिया भी नहीं, तो वह ज़कात ले सकता है और क़र्ज़ चुकाने में इस्तेमाल कर सकता है।

सवाल:- रमज़ान में अगर वित्र की नमाज़ पहले पढ़ ली तो क्या तरावीह हो सकती है?

जवाब:- हाँ, अगर किसी ने वित्र की नमाज़ पहले पढ़ ली है, तो वह बाद में तरावीह की नमाज़ पढ़ सकता है। लेकिन सुन्नत तरीक़ा बहर हाल यही है कि तरावीह पहले पढ़ी जाए और वित्र बाद में।

सवाल:- मुक़ीम इमाम के होते हुए मुसाफ़िर इमाम के पीछे जमाअत का क्या हुक्म है?

जवाब:- अगर कोई मुक़ीम यानी स्थायी निवासी इमाम मौजूद है, तो उसे ही इमामत करनी चाहिए। लेकिन अगर कोई मुसाफ़िर इमाम बन जाए, तब भी मुक़ीम लोग उसकी इत्तेबा कर सकते हैं और उसका तरीक़ा यह रहेगा कि मुसाफ़िर इमाम चार रकअत वाली नमाज़ों को दो रकअत पढ़ाएगा, मुक़ीम अपनी बाक़ी की दो रकअतें ख़ुद पूरी करेंगे।

(मुफ्ती अय्युब मिस्बाही के हवाले से)

रमज़ान से जुड़े किसी भी तरह के सवालों के जवाब 98280-49081 नंबर पर व्हाट्सप्प या मैसेज कर पूछ सकते हैं

तीसरी किस्त.....

इस्लाम में फ़र्ज़ है रोज़ा

यह मिसाल इस तफ्सील के साथ आपके सामने बयान की गई है, इस पर आप गौर करें तो आपकी समझ में आ सकता है कि आज आपकी इबादतें क्यों बेअसर हो गईं ? आपकी सबसे बड़ी गलती यही है कि आपने नमाज़ रोजों के अरकान की ज़ाहिरी सूरतो ही को असल इबादत समझ रखा है और इस गुमान में फंस गये हैं कि जिसने ये अरकान पूरी तरह अदा कर दिये, उसने बस अल्लाह की इबादत कर दी। आपकी मिसाल उस आदमी जैसी है जो खाने के चारों अरकान यानि निवाले बनाना, मुंह में रखना, चबाना, हलक से नीचे उतार देना, बस इन्हीं चारों के मजमूए को खाना समझता है और यह ख्याल करता है, जिसने ये चारों अरकान अदा कर दिये, उसने खाना खा लिया और खाने के फायदे उसको हासिल होने चाहिए, भले ही उसने उन अरकान के साथ मिट्टी और पत्थर अपने पेट में उतारे हों, या रोटी खाकर फौरन कै कर दी हो। अगर हकीकत में लोग इस गलत गुमान में फंस नहीं गए हैं तो बताइये कि यह क्या माजरा है कि जो रोज़ेदार सुबह से शाम तक अल्लाह की इबादत में मशगूल रहता है, वह ठीक इस इबादत की हालत में झूठ कैसे बोलता है ? गीबत किस तरह करता है ? बात-बात पर लड़ता क्यों है ? उसकी ज़ुबान से गालिया क्यों निकलती हैं ? वह लोगों का हक कैसे खाता है ? हराम खाने और खिलाने का काम किस तरह कर लेता है और फिर यह सब काम करके भी अपने नज़दीक यह कैसे समझता है कि मैंने खुदा की इबादत की है ? क्या उसकी मिसाल उस आदमी जैसी नहीं है, जो राख और मिट्टी खाता है और सिर्फ़ खाने के चार अरकान अदा कर देने को समझता है कि खाना इसी को कहते हैं। फिर बताइऐ कि यह क्या माज़रा है कि रमज़ान भर में तकरीबन 360 घण्टे खुदा की इबादत करने के बाद जब आप फारिग होते हैं तो इस पूरी इबादत के तमाम असरात शव्वाल की पहली तारीख ही को खत्म हो जाते हैं ? अन्य लोग अपने त्यौहारों में जो कुछ करते हैं, वही सब आप ईद में करते हैं। हद यह है कि शहरों में तो ईद के दिन बदकारी और शराबनोशी तक होती है और कुछ ज़ालिम तो ऐसे हैं, जो रमज़ान के ज़माने में दिन में रोज़ा रखते हैं और रात को शराब पीते हैं और ज़िना करते हैं। आम मुसलमान खुदा के फज़्ल से इतने बिगड़े हुए तो नहीं, मगर रमज़ान खत्म होने के बाद आप में से कितने ऐसे हैं जिनके अंदर ईद के दूसरे दिन भी तक़्वा और परहेज़गारी का कोई असर बाकी रहता है ? खुदा के कानूनों के खिलाफवरजी में कौन-सी कसर उठा रखी है ? नेक कामों में कितना हिस्सा लिया जाता है ? और नफसा नियम में क्या कमी आ जाती है ? सोचिए और गौर कीजिए कि इसकी वजह आखिर क्या है ?

यकीन के साथ कहा जा सकता है कि इसकी वजह सिर्फ़ यह है कि आपके दिमाग में इबादत का मफ़हूम और गलत हो गया है। आप यह समझते हैं कि सहरी से लेकर मगरिब तक कुछ न खाने और पीने का नाम रोज़ा है और बस यही इबादत है। इसीलिए रोज़े की तो आप पूरी हिफाजत करते हैं। खुदा का खौफ आपके दिल में इस कद्र होता है कि जिस चीज़ से रोज़ा टूटने का ज़रा भी खतरा हो। उससे भी आप बचते हैं। अगर जान पर भी बन जाए तब भी रोज़ा तोडने में झिझक होती है। लेकिन आप यह नहीं जानते कि यह भूखा-प्यासा रहना असल इबादत नहीं है, बल्कि इबादत की सूरत है और यह सूरत मुकर्रर करने का मकसद यह है कि आपके अन्दर खुदा का खौफ और खुदा की मुहब्बत पैदा हो और आपके अन्दर इतनी ताकत पैदा हो जाए कि जिस चीज़ में दुनिया भर के फायदे हों, मगर खुदा नाराज़ होता हो, उससे अपने नफ़्स पर जब्र करके बच सकें और जिस चीज़ में हर तरह के खतरे और नुकसान हों, मगर खुदा उससे खुश होता हो, उस पर आप अपने नफ़्स को मजबूर करके तैयार कर सकें । यह ताकत इसी तरह पैदा हो सकती थी कि आप रोज़े के मक़सद को समझने और महीने भर तक अपने खुदा के खौफ और खुदा की मुहब्बत में अपने नफ़्स को ख्वाहिशों से रोकने और खुदा की रज़ा के मुताबिक चलाने की जो मश्क की है, उससे काम लेते। मगर आप तो रमज़ान के बाद ही इस मश्क को और इन खूबियों को, जो इस मश्क से पैदा होती हैं, इस तरह निकाल फैंकते हैं जैसे खाना खाने के बाद कोई आदमी उंगली डालकर क़ै कर दे। बल्कि आप में से कुछ लोग तो रोज़ा खोलने के बाद ही दिन भर की परेशानी को उगल देते हैं। फिर आप ही बताइए कि रमज़ान और उसके रोज़े कोई जादू तो नहीं हैं कि बस उसकी ज़ाहिरी शक्ल पूरी कर देने से आपको वह ताकत हासिल हो जाये, जो हकीकत में रोज़े से हासिल होनी चाहिये। जिस तरह रोटी से जिस्मानी ताकत उस वक़्त तक नहीं हासिल हो सकती, जब तक कि वह मैदे में जाकर हज़म न हो और खून बनकर जिस्म की रग-रग में न पहुंच जाये, उसी तरह रोजे से भी रूहानी ताकत उस वक्त तक हासिल नहीं होती जब तक कि आदमी रोज़े के मक़सद को पूरी तरह समझे नहीं और अपने दिल व दिमाग के अन्दर उसको उतारने और खयाल, नीयत, इरादा और अमल सब पर छा जाने का मौका न दे

पटवारी भर्ती 2025 - 2,020 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड RSSB RSMSSB भर्ती 2025 पटवारी के 2,020 पदों के लिए। स्नातक डिग्री, डिप्लोमा वाले उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 मार्च, 2025 है।

योग्यता:- अभ्यर्थियों के पास स्नातक डिग्री, डिप्लोमा होना चाहिए

आयु सीमा:-
न्यूनतम आयु सीमा: 18 वर्ष
अधिकतम आयु सीमा: 40 वर्ष
आयु में छूट नियमानुसार लागू होगी।

महत्वपूर्ण तिथियां:-
ऑनलाइन आवेदन करने की प्रारंभिक तिथि: 22-02-2025
ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि : 23-03-2025
फॉर्म भरने की अंतिम तिथि: 23-03-2025
परीक्षा तिथि ऑफलाइन: 11-05-2025

आवेदन शुल्क:-
सामान्य/ओबीसी उम्मीदवारों के लिए: रु. 600/-
ओबीसी एनसीएल / एससी / एसटी उम्मीदवारों के लिए: रु. 400/-
सुधार शुल्क: रु. 300/-

कुल रिक्तियां:- 2,020

भारतीय नौसेना में 327 पदों पर निकली भर्ती; 10वीं पास को मौका

भारतीय नौसेना ने बोट क्रू स्टाफ कर्मचारी के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार नौसेना की ऑफिशियल वेबसाइट join-indiannavy.gov.in पर जाकर ऑनलाइन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं पास।
तैराकी आना चाहिए।
फायरमैन के लिए प्री-सी ट्रेनिंग कोर्स का सर्टिफिकेट होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 25 वर्ष
एससी, एसटी सहित अन्य आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम उम्र सीमा में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
स्वीमिंग टेस्ट

सैलरी :
पद के अनुसार 18,000 - 63,200 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट indian-navy.nic.in पर जाएं।
मांगे गए डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स जैसे फोटो, सिग्नेचर अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर द्वारा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 52,453 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। इन पदों में 46,931 गैर अनुसूचित क्षेत्र और 5,522 अनुसूचित क्षेत्र के पद शामिल हैं। इस भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता सेकेंडरी (कक्षा 10) या समकक्ष परीक्षा है।

पद विवरण:
•पद का नाम: चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी
•पद संख्या: 52,453 (गैर अनुसूचित क्षेत्र: 46,931, अनुसूचित क्षेत्र: 5,522)
•वेतनमान: पे मैट्रिक्स लेवल L-1
•आयु सीमा: न्यूनतम 18 वर्ष, अधिकतम 40 वर्ष (01.01.2026 तक)

आवेदन प्रक्रिया:
•ऑनलाइन आवेदन और पंजीयन शुल्क भरने की अंतिम तिथि: 19.04.2025 (रात्रि 11:59 बजे तक)
•परीक्षा की संभावित तिथि: 18.09.2025 से 21.09.2025 तक (कंप्यूटर आधारित, टैबलेट आधारित, या ओएमआर आधारित परीक्षा)

आवेदन और विस्तृत जानकारी:
•आवेदन प्रक्रिया, आरक्षण, पदों का वर्गीकरण, आयु में छूट, परीक्षा स्कीम, पाठ्यक्रम आदि की जानकारी बोर्ड की वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जारी की जाएगी।
•किसी भी जानकारी के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, दुर्गापुरा, जयपुर पर संपर्क किया जा सकता है।

आयकर विभाग स्टेनोग्राफर ग्रेड – I ऑफलाइन फॉर्म 2025

कुल रिक्तियां: 100
आयकर विभाग ने प्रतिनियुक्ति के आधार पर स्टेनोग्राफर ग्रेड - I रिक्ति की भर्ती के लिए रोजगार की अधिसूचना दी है । वे उम्मीदवार जो रिक्ति विवरण में रुचि रखते हैं और सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे अधिसूचना पढ़ सकते हैं और आवेदन कर सकते हैं।

आयकर विभाग:
स्टेनोग्राफर ग्रेड – I रिक्ति 2025

महत्वपूर्ण तिथियां:
आवेदन की अंतिम तिथि: 31-03-2025

आयु सीमा:
अधिकतम आयु सीमा: 56 वर्ष से अधिक नहीं
आयु में छूट नियमानुसार लागू होगी।

योग्यता:
उल्लेख नहीं है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में अप्रेंटिस की भर्ती, बिना एग्जाम के सिलेक्शन

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में सीनियर असिस्टेंट और जूनियर असिस्टेंट के 200 से ज्यादा पदों भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट aai.aero पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : संबंधित क्षेत्र में फुल टाइम 4 साल की डिग्री
डिप्लोमा अप्रेंटिस : संबंधित क्षेत्र में 3 साल की डिप्लोमा
ट्रेड अप्रेंटिस : संबंधित क्षेत्र में ।TI/ NCVT सर्टिफिकेट प्राप्त

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 27 साल

स्टाइपेंड :
पद के अनुसार 9000 - 15000 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

ऐसे करें आवेदन :
ग्रेजुएट और डिप्लोमा अप्रेंटिस के लिए www.nats.education.gov.in पर जाकर आवेदन करें।
ट्रेंड अप्रेंटिस के लिए www.apprenticeshipindia.org पर जाकर आवेदन करें।
होम पेज पर रजिस्ट्रेशन करके लॉग इन करें।

'Go to Application Form' पर जाकर अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

राजस्थान में 2,756 वाहन चालक भर्ती की भी अधिसूचना जारी

पदों की संख्या: 2,756
आवेदन की अवधि:- 27 फरवरी 2025 से 28 मार्च 2025 योग्यता: मान्यताप्राप्त बोर्ड से दसवीं उत्तीर्ण। ड्राइविंग लाइसेंस के साथ 3 वर्ष का अनुभव। भारी और हल्के वाहन चलाने में दक्षता।
चयन प्रक्रिया:- चयन लिखित परीक्षा और ड्राइविंग टेस्ट के माध्यम से होगा। परीक्षा 22-23 नवंबर 2025 के बीच आयोजित की जाएगी।
आवेदन प्रक्रिया:- उम्मीदवार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।
विशेष सुझाव:- अंतिम समय में आवेदन से बचें और सभी दस्तावेज समय पर तैयार रखें।

राजस्थान उच्च न्यायालय सिविल जज और न्यायिक मजिस्ट्रेट भर्ती - 44 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

राजस्थान उच्च न्यायालय ने सिविल जज और न्यायिक मजिस्ट्रेट के 44 पदों के लिए भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार जो एलएलबी धारक हैं, वे 01-03-2025 से 30-03-2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों को राजस्थान उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट hcraj.nic.in पर जाकर आवेदन करना होगा।

पद का नाम: सिविल जज और न्यायिक मजिस्ट्रेट
कुल पद: 44

महत्वपूर्ण तिथियां:
•ऑनलाइन आवेदन की शुरुआत: 01-03-2025
•ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 30-03-2025, शाम 5:00 बजे तक
•परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि: 31-03-2025, शाम 5:00 बजे तक

आवेदन शुल्क:
•सामान्य, ओबीसी-सीएल, एमबीसी-सीएल श्रेणी और अन्य राज्य के उम्मीदवारों के लिए: 1500 रुपये
•राजस्थान राज्य के ओबीसी-एनसीएल, एमबीसी-एनसीएल और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए: 1250 रुपये
•राजस्थान राज्य के एससी, एसटी और पूर्व सैनिक श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए: 800 रुपये
•बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों के लिए: निःशुल्क

आयु सीमा (01-01-2026 के अनुसार):
•न्यूनतम आयु सीमा: 21 वर्ष
•अधिकतम आयु सीमा: 40 वर्ष

शैक्षिक योग्यता:
•उम्मीदवारों के पास एलएलबी की डिग्री होनी चाहिए।

पद विवरण:
•सिविल जज और न्यायिक मजिस्ट्रेट: 44

एफसीआई अरावली जिप्सम एंड मिनरल्स इंडिया लिमिटेड में सीएमडी भर्ती

FCI अरावली जिप्सम एंड मिनरल्स इंडिया लिमिटेड (FAGMIL) ने अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (CMD) की भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। FAGMIL CMD भर्ती 2025 अधिसूचना 10 मार्च 2025 को जारी की गई थी, और ऑनलाइन आवेदन 07 अप्रैल 2025 तक स्वीकार किए जाएंगे। योग्य उम्मीदवार सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) की आधिकारिक वेबसाइट https://pesb.gov.in/ के माध्यम से FAGMIL CMD भर्ती 2025 के लिए आवेदन कर सकते हैं ।

पोस्ट नाम: अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी)

वेतनमान: रु. 1,60,000 – 2,90,000 (आईडीए)

शिक्षा: किसी अग्रणी संस्थान से इंजीनियरिंग स्नातक/ चार्टर्ड अकाउंटेंट/कॉस्ट अकाउंटेंट/स्नातकोत्तर/एमबीए/ पीजीडीआईएम के साथ स्नातक।

आयु सीमा: न्यूनतम: 40 वर्ष; अधिकतम: रिक्ति की तिथि पर आंतरिक उम्मीदवारों के लिए 2 वर्ष की अवशिष्ट सेवा और अन्य के लिए 3 वर्ष।

चयन प्रक्रिया:
FAGMIL CMD भर्ती 2025 के लिए चयन प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों पर आधारित होगी:
आवेदन की जांच : पात्रता मानदंडों के आधार पर आवेदनों की जांच की जाएगी।
साक्षात्कार : शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) द्वारा साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।
अंतिम चयन : अंतिम चयन साक्षात्कार में उम्मीदवार के प्रदर्शन के आधार पर होगा।

आवेदन कैसे करें:
पीईएसबी की आधिकारिक वेबसाइट https://pesb.gov.in/ पर जाएं ।
ऑनलाइन आवेदन पत्र भरें।
अधिसूचना में उल्लिखित दिशानिर्देशों के अनुसार उचित माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करें।
सुनिश्चित करें कि सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न हैं (यदि लागू हो)।
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 07 अप्रैल 2025 है ।

महिलाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम – नया बैच शुरू

मदद फाउंडेशन, आदर्श नगर, जयपुर द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। अब तक 500 से अधिक महिलाओं को सिलाई, ब्यूटीशियन, कढ़ाई, कंप्यूटर, लाइब्रेरी,और ड्राइविंग जैसे विभिन्न कोर्स कराए जा चुके है। यदि आप भी इन कोर्स में शामिल होकर अपने जीवन को बेहतर बनाना चाहती हैं, घर बैठे रोजगार करना चाहती है तो जल्दी से नामांकन करवाएं।

जल्द मदद फाउंडेशन के कार्यालय में संपर्क करें।

पता: मदद फाउंडेशन, गोल्डन सैफायर, आदर्श नगर, जयपुर

संपर्क करें: 9694167860

महिलाओं के लिए यह एक शानदार अवसर है, आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएं!

अंजुमन सदर माजिद सलीम व तामीर कन्वीनर मन्नू पठान की जानिब से रोजा इफ्तार इफ्तार संपन्न

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मदरसा अंजुमन इस्लामिया बारां के सदर माजिद सलीम व अंजुमन के तामीर कन्वीनर मन्नू पठान की जानिब से शनिवार को अंजुमन मेरिज हॉल में रोजा इफ्तार प्रोग्राम आयोजित किया गया। प्रवक्ता शाहिद इकबाल भाटी ने बताया कि रोजा इफ्तार प्रोग्राम में असर की नमाज के बाद से ही रोजेदारों का अंजुमन मैरिज हॉल में पहुंचना शुरू हो गया था। इफ्तार से पहले मैरिज हॉल रोजेदारों से खचाखच भर गया। अंजुमन सदर माजिद सलीम ने कहा कि हमने अंजुमन को जकात डोनेट करने के लिए क्यूं आर कोड लॉन्च किया है, आप सभी हज़रात अंजुमन की फलाह के लिए ज्यादा से ज्यादा ताऊन करे। तामीर कन्वीनर मन्नू पठान ने कहा कि अंजुमन के बेहतर निजाम के लिए हम सब प्रयासरत हैं, आप सभी हज़रात अंजुमन के बेहतर मुस्तकबिल के लिए क्यूं आर कोड पर स्कैन करके ज्यादा ताऊन फरमाए। सभी रोजेदारों ने मगरिब की अज़ान लगते ही रोजा खोल कर अल्लाह का शुक्र अदा किया। ओर मुल्क में अमन - चैन और भाईचारे की दुआ मांगी।

प्रोग्राम में वरिष्ठ नेता हाजी वहीद बर्तन वाले, पूर्व वक्फ चेयरमैन साजिद सलीम, नायब सदर सदर जाकिर मंसूरी, तालीम कन्वीनर मोहम्मद सलाम, खजांची अशफाक मयूर, वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी, अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, एडवोकेट फिरोज खान, डॉक्टर हाजी अब्दुल रशीद, डीसीसी उपाध्यक्ष अशरफ देशवाली, पंचायत श्योपुरियांन के सदर हाजी इकबाल अंसारी, पार्षद अनवर अली, पार्षद परवेज खान, आरिफ होटल हयात, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, डॉ वसीम अहमद, शायर रईस फैजी, रशीद लोढ़ी, अनवर अंसारी, साबिर खान प्रॉपर्टी, नियाज़ अहमद सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। इन्होंने बनाई व्यवस्था:- रोजा इफ्तार प्रोग्राम की व्यवस्था बनाने में मुख्य रूप से प्रोग्राम कन्वीनर इकबाल नेता, एडवोकेट रईस हाशमी, अकील पठान, साजिद खान लजीज, मुहासिब नासिर खान बंटी, राजू खान बर्तन वाले, पार्षद जाकिर खान, वाजिद सलीम, इशरत स्टार टेंट, बब्लू नेशनल, साहिल खान स्टील आदि का विशेष सहयोग रहा।

जिला कलक्टर ने किया फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों का निरीक्षण, 31 मार्च तक पंजीकरण अनिवार्य

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार भारत एवं राज्य सरकार की एग्रीस्टैक योजना के तहत जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर फॉर्मर्स रजिस्ट्रेशन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में किसानों का फार्मर आईडी पंजीकरण कर उन्हें योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर स्वयं इस अभियान की सतत मॉनिटरिंग कर रहे हैं और रोजाना शिविरों की प्रगति का जायजा ले रहे हैं।रविवार को जिला कलक्टर ने ग्राम पंचायत ढोटी और मेरमाचाह में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा और मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र किसान इस अभियान से वंचित न रहे और सभी किसानों का समय पर पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए।

रोजाना कर रहे हैं शिविरों की मॉनिटरिंग

जिला कलक्टर हर दिन स्वयं विभिन्न शिविरों का दौरा कर रहे हैं और किसानों से फीडबैक लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे रहे हैं। वे लगातार किसानों को जागरूक कर रहे हैं कि 31 मार्च तक पंजीकरण नहीं करवाने पर वे पीएम किसान निधि सहित अन्य योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते हैं। कलक्टर ने सभी ब्लॉक एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को

भी निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में शिविरों की नियमित निगरानी करें और सुनिश्चित करें कि कोई भी किसान फॉर्मर आईडी पंजीकरण से छूटने न पाए। जिला कलक्टर ने किसानों से अपील की कि वे जल्द से जल्द अपने फार्मर आईडी कार्ड बनवाएं, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसानों के हित में है और सरकार चाहती है कि अधिक से अधिक किसान इससे लाभान्वित हों।

अग्रवाल महिला सम्मेलन ने मनाई स्वांग की होली

बारां, (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय अग्रवाल महिला जिला संगठन इकाई ने होली की पूर्व संध्या पर कोटा रोड स्थित निजी होटल में स्वांग वाली होली का आयोजन किया। जिसमें मंडल की सभी महिलाएं अलग-अलग स्वांग में झूमती नाचती रही। अध्यक्ष नीतू गुप्ता और महामंत्री मधु गोयनका ने बताया कि होली एक लोकप्रिय प्राचीन हिंदू त्यौहार है जिसे रंगों का त्योहार के रूप में मनाया जाता है यह बुराई पर अच्छाई की जीत का भी प्रतीक है रंग गुलाल अबीर और फूलों द्वारा खेली गई। सबसे पहले सभी को कलरफुल गुलाल लगाकर होली गेम कराया जिसमें होली का चंदा रहना अग्रवाल के नाम रहा ठंडाई के साथ हमारे और गेम की शुरुआत हुई ठंडाई का नशा में प्रथम मंजू गोयल तथा द्वितीय बबली अग्रवाल ने बाजी मारी होली पर सॉन्ग रच कर आई मधु गोयनका ने प्रथम सुनीला अग्रवाल ने द्वितीय और हेमलता गर्ग और बबली अग्रवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जोगी जी हां जोगी जी हां गेम में सुनीता बंसल प्रथम और अनीता जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रंग बरसे भीगे चुनरवाली रंग बरसे गेम में शकुंतला गुप्ता और रैना अग्रवाल ने बाजी मारी होली स्पेशल टी-शर्ट जींस पहन कर सभी ने खूब धमाल मचाया चाय बिस्कुट के साथ फलाहार का आनंद लिया गया। इस मौके पर क्लब की शीला गोयल उषा गोयल सांगोद सुमन गर्ग लक्ष्मी गर्ग मंजू बंसल प्रियंका गुप्ता अंजना मंगल कुसुम गर्ग नीलू गर्ग आदि उपस्थित रही।

31 मार्च तक कराएं सामाजिक सुरक्षा पेंशन का वार्षिक सत्यापन, नहीं तो रुक जाएंगी पेंशन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक शुभम नागर ने ताया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत लाभ प्राप्त कर रहे पेंशनधारियों को अपना वार्षिक भौतिक सत्यापन 31 मार्च 2025 तक अनिवार्य रूप से करवाना होगा। सत्यापन न करवाने की स्थिति में पेंशन बंद कर दी जाएगी।

सत्यापन के लिए अधिकृत अधिकारी

ग्रामीण क्षेत्र में विकास अधिकारी और शहरी क्षेत्र में उपखंड अधिकारी को सत्यापन के लिए अधिकृत किया गया है। जिले में अब तक लगभग 31,010 पेंशनधारियों ने अपना वार्षिक भौतिक सत्यापन नहीं कराया है।

सत्यापन के लिए उपलब्ध विकल्प

शुभम नागर ने बताया कि ई-मित्र केंद्र अथवा ई-मित्र कियोस्क से बॉयोमैट्रिक सत्यापन के माध्यम से, एंड्रॉइड मोबाइल ऐप से फेस रिकग्निशन अथवा बॉयोमैट्रिक के माध्यम से एवं ओटीपी सत्यापन से संबंधित स्वीकृतिकर्ता अधिकारी द्वारा लाभार्थी के आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी के माध्यम से पेंशन का भौतिक सत्यापन करवा सकते हैं।

नए प्रावधान भी किए गए उपलब्ध

कुछ पेंशनधारियों का सत्यापन बॉयोमैट्रिक पहचान या आधार से जुड़े मोबाइल नंबर के अभाव में नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में पेंशन पोर्टल पर नया विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके तहत पेंशनधारियों को स्वीकृतिकर्ता अधिकारी के कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर दस्तावेजों (पीपीओ, जनाधार, आधार आदि) के आधार पर सत्यापन करवाना होगा। इस प्रक्रिया में अधिकारी के आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से वार्षिक सत्यापन किया जाएगा।

पेंशन बंद होने से बचने के लिए समय पर करवाएं सत्यापन

सभी पेंशनधारियों से अपील की जाती है कि वे जल्द से जल्द सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करवा लें ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द बारां ने गरीबों में तकसीम किए 70 रमजान किट

बारां, (रॉयल पत्रिका)। 75 सालों से लगातार गरीबों बेसहारा लोगों की फलाह व बेबुदी के काम करने वाली सामाजिक संस्था जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द की बारां इकाई ने रविवार 16 मार्च को जामिया कौसर स्कूल में शोबा-ए खिदमत-ए खल्क के तहत आइडियल रिलीफ ट्रस्ट के द्वारा रमज़ान किट का वितरण किया। अमीर ए मकामी ईमाम शब्बीर अहमद ने बताया कि जमात के किट वितरण प्रोग्राम के मुख्य अतिथि रिटायर्ड प्रिंसिपल मुश्फिक अंसारी व डॉक्टर जमील अहमद रहे। मंच पर उपस्थित अतिथि डॉक्टर जमील अहमद व रिटायर्ड प्रिंसिपल मुश्फिक अंसारी ने कहा कि जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द की खिदमात हमेशा समाज की भलाई व जागरूकता के लिए रही है, जमात ने हमेशा गरीबों, यतीमों, बेवाओं व बेसहारा लोगों की मदद की है, हम उम्मीद करते है आगे भी ये खिदमत जारी रहेगी। जमात के पूर्व अमीर यूसुफ राज ने बताया कि जमाअत-ए-इस्लामी के ज़िम्मेदार लोगों ने शहर के अलग-अलग मोहल्लों में घूमकर 70 परिवारों का सर्वे करके चयन किया है। प्रत्येक किट की कीमत

1350 रुपये है जिसमे रमज़ान के महीने में काम आने वाले राशन के जरूरी सामान मौजूद है। प्रोग्राम में हाजी अब्दुल हसीब, उमर फारूक, लईक अहमद, अब्दुल शकूर कारपेंटर, सरदार अली, मूसा टेलर, जियाउर्रहमान, समीर अली, वासिद खान प्रोग्राम का संचालन यूसुफ राज ने किया।

बस स्टैंड पर सुविधाओं का अभाव, यात्री परेशान

डॉ० तौहीद

सुकेत,(रॉयल पत्रिका)। कस्बे के प्रमुख बस स्टैंड पर यात्री परेशान हैं, क्योंकि यहां कोई बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। इस स्टैंड से कोटा और झालावाड़ की यात्रा करने वाले यात्रियों को बिना किसी ठहराव या छांव की व्यवस्था के धूप और बारिश में घंटों खड़ा होकर अपनी बस का इंतजार करना पड़ता है। पालिका या अन्य जिम्मेदार अधिकारियों ने इस समस्या का समाधान करने की कोई कोशिश नहीं की है।

यात्रियों की परेशानियां बढ़ी, कोई सुनवाई नहीं:

बस स्टैंड के निवासी अशोक चौहान और वकार अहमद ने बताया कि रोजाना सैकड़ों यात्री यहां से यात्रा करते हैं, लेकिन यहां किसी भी प्रकार की बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। रामगंजमंडी सलावद, जुल्मी और आसपास के ग्रामीण इलाकों में जाने वाले यात्री भी इसी बस स्टैंड से अपनी यात्रा की शुरुआत करते हैं, लेकिन उन्हें भी अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कुछ यात्री गर्मी के दिनों में दुकानों का सहारा लेते हैं, लेकिन यह कोई स्थायी समाधान नहीं है। यात्री रेखा और वाजिद का कहना हैं कि इस बस स्टैंड पर बैठने की कोई जगह नहीं है, जिससे उन्हें लगातार खड़ा रहकर बस का इंतजार करना पड़ता हैं। यात्री रेशमा ने बताया कि वह कई सालों से इसी बस स्टैंड से यात्रा कर रही हैं और स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। इतना ही नहीं, जब भी यात्री इस समस्या को लेकर आवाज उठाते हैं, लेकिन कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते।

धूप और बारिश व सर्दी में खड़े होकर करते हैं इंतजार।

बस स्टैंड के हालात पर यात्रियों का कहना हैं कि इस स्टैंड पर न तो कोई बैठने की व्यवस्था है और न

ही धूप से बचने के लिए छांव की। गर्मी और बारिश में यात्री बिना किसी आश्रय के खड़े रहते हैं। इस स्थिति में उन्हें पानी तक की व्यवस्था नहीं मिलती, जिससे उन्हें अपनी प्यास बुझाने के लिए दुकानों से पानी की बोतलें खरीदनी पड़ती हैं। कई यात्रियों का कहना हैं कि इस मुद्दे को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन से शिकायत की है।

भूमि की कमी से नहीं बन पा रही व्यवस्था।

नगरपालिका के ईओ हेमेंद्र सांखला ने कहा कि इस बस स्टैंड पर नगर पालिका के पास अपनी कोई भूमि नहीं है। हालांकि वह यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जहां प्रतीक्षालय बनाया जा सकता है, वह जगह निजी भूमि है। इसके लिए भूमि मालिक से बातचीत करके भूमि का कुछ हिस्सा लिया जाएगा। फिलहाल पालिका द्वारा यात्रियों के लिए छांव की व्यवस्था की जाएगी।

बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक काशीराम का 91 वां जन्मदिन मनाया

फिरोज खान वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। बहुजन समाज पार्टी जिला झालावाड़ के तत्वावधान में बामसेफ, डीएस फॉर व बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक काशीराम का 91वां जन्मदिन मनाया गया। जिसमें विचार संगोष्ठी का कार्यक्रम संजय कॉलोनी में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मकसूद मंसूरी जिला प्रभारी, डालूराम मेघवाल जिला प्रभारी, रणजीत सिंह यादव पूर्व प्रदेश सचिव, सूफी हाफिज जाकिर हुसैन संगठन मंत्री, कृष्णसिंह हाड़ा बौद्ध महासभा के, धनीराम समर्थ, नगर अध्यक्ष फैजान महमूद, नगर प्रभारी मोहम्मद साहिल, रेहान चौधरी, प्रवेश दांगी, आरिश, आशिष आदि कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे। मुख्य अतिथियों ने काशीराम की जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा कि बाबा साहेब अम्बेडकर के बाद इस भारतीय राजनीति में दलित पिछड़ो, आदिवासियों में अलख मान्यर काशीराम जी ने जगाई। भारतीय राजनीति में एक नया प्रयोग किया जिसमें सामाजिक, आर्थिक नये युग की शुरूआत हुई। काशीराम जी ने अपना प्रयोग उत्तर प्रदेश में किया जिसके दम पर चार बार बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाई। भाजपा-कांग्रेस की रीति नीति एक जैसी है। दोनो की सरकार में दलितों पिछड़ो आदिवासियों, धार्मिक अल्पसंख्यकों, महिलाओं पर अन्याय, अत्याचार, बलात्कार आदि की घटनायें हो रही है। बीएसपी का नारा है एक रहोगे तो सुरक्षित रहोगें। काशीराम जी के जन्मदिन पर जिले में बहुजन समाज पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया गया

सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में जोडों का पंजीयन जारी

-आखातीज पर झालावाड़ में होगा सम्मेलन

फिरोज खान वारसी-

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। आशा जन कल्याण संस्थान, झालावाड़ के तत्वावधान में 30 अप्रेल (आखातीज) को झालावाड़ जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारीयां जोरो पर चल रही है। संस्थान अध्यक्ष एवं सम्मेलन संयोजक विष्णु दयाल ने बताया कि सम्मेलन में जोडों के पंजीयन के लिये संस्थान की ओर से पंजीयन कार्यालय झालावाड़ में आर.टी.ओ. ऑफिस के पीछे,धाकड़ छात्रावास के पास, अम्बेडकर कॉलोनी में शुरू कर दिया गया है। सम्मेलन में जोड़ो के पंजीयन करवाने के लिये सम्मेलन के जरूरतमंद परिवारों का कार्यालय पर पहुचना शुरु हो चुका है। संयोजक ने बताया कि विवाह सम्मेलन की सभी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारीयां कार्यकर्ताओं को दी जा रही है। संस्था का यह द्वितीय सम्मेलन होने जा रहा है। संस्था गत 22 अप्रेल 2023 को 20 जोडों प्रथम सम्मेलन सफलता पूर्वक कर चुकी है। संस्था द्वारा सभी जोडों को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह एवं अनुदान योजना का 21000 का लाभ सम्मेलन में शामिल सभी जोडो को दिलाया गया था। इस बार भी संस्था द्वारा सम्मेलन में शमिल सभी जोडो को इक्कीस हजार का अनुदान दिलाने का प्रयास किया जावेगा। सभी से अपील है कि सम्मेलन की जानकारी जरूरतमंद परिवारों तक पहुचानें में संस्था का सहयोग करे।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा डॉ. तौहीद को सम्मानित किया गया

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। गुरुवार को सुकेत कस्बे स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में बैंक मैनेजर मयंक योगी द्वारा पत्रकार डॉ. अब्दुल रऊफ तौहीद को सम्मानित किया गया। उन्हें रॉयल पत्रिका रिपोर्टर के रूप में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया और एक गिफ्ट भी भेंट किया गया। इस सम्मान समारोह में बैंक के अन्य स्टाफ सदस्य अनिल गुप्ता और हरमिंदर सिंह भी मौजूद रहे। डॉ. तौहीद सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के लंबे समय से कंज्यूमर रहे हैं, और उनके सम्मान से बैंक ने उनकी विश्वसनीयता और योगदान को सराहा। यह सम्मान डॉ. तौहीद की पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्धता और समाज में उनके योगदान की सराहना करता है।

शर्मसार ! गाय को ट्रैक्टर से बांधकर घसीटा, सरपंच बोले मुझे कोई जानकारी नहीं

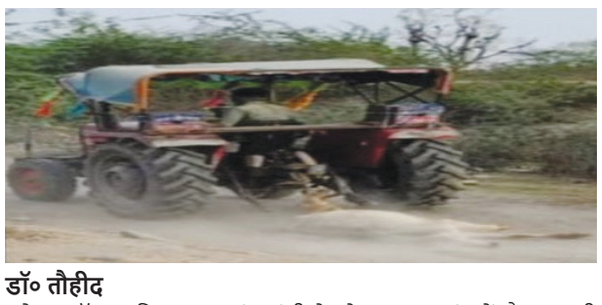

डॉ० तौहीद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडी क्षेत्र के भावपुरा गांव में गौ माता की मृत्यु के बाद उसे ट्रैक्टर से पीछे घसीटकर ले जाने की अमानवीय घटना सामने आई है। इस घटना की सूचना मिलते ही गौ रक्षा कमांडो फोर्स टीम रामगंज मंडी मौके पर पहुंची, लेकिन ट्रैक्टर चालक का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। यह घटना क्षेत्र में गहरी चिंता का विषय बन गई है। इससे पहले खैराबाद, धरनावद धाम और पंचमुखी रामगंज मंडी में भी इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, और अब भावपुरा गांव में यह मामला सामने आया है। गौ रक्षा कमांडो फोर्स ने प्रशासन से इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की है और दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ने की अपील की है। भावपुरा सरपंच घनश्याम धाकड़ ने बताया कि इस मामले में मुझे कोई जानकारी नहीं है। वहीं गौ रक्षा कमांडो फोर्स ने प्रशासन से इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की हैं।

नन्हीं बच्चियां सूफी और सबा ने रखा पहला रोजा

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। माहे रमजान के मुबारक महीने में रोजेदारों के लगातार रोजे रखने का सिलसिला जारी है। रविवार को माहे रमजान के 15 वें रोजे विलादत हजरत ईमाम हसन के मुबारक मौके पर शहर के मशहूर अधिवक्ता फिरोज खान की दोनों बेटियां फातिमा जहरा हुसैनी (सूफी) 6 वर्ष और फातिमा जेहरा हुसैनी (सबा) 5 वर्ष ने अपना पहला रोजा रखा। मासूम बच्चियों ने दिन भर इबादत की, पांचों वक्त की नमाज अदा करने के साथ कुरान की तिलावत भी की। शाम को रोजा अफतार के समय देश में अमन चैन और भाईचारे की दुआ के साथ रोजा खोला। दोनों बच्चियों को दादा हाजी अब्दुल खालिक, दादी हज्जानी परवीन बानो, बड़े पापा उमर फारूक बच्चियों की वालिदा एडवोकेट फरातुन निशा सहित परिवार के लोगों ने नेक दुआओं से नवाजा।

टीबी अभियान : जिले की 182 में से 91 ग्राम पंचायतें क्षय रोग मुक्त

बूंदी, (रॉयल पत्रिका)। टीबी जैसी संक्रमित बीमारी को सरकार देश से वर्ष 2025 तक खत्म करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसी के मद्देनजर प्रदेशभर में ग्राम पंचायत टीबी मुक्त अभियान अभियान चलाया गया है, जिसके तहत प्रदेश की 9325 ग्राम पंचायत टीबी मुक्त होंगी।

इनमें बूंदी जिले की कुल 182 ग्राम पंचायतों में से 91 ग्राम पंचायतें क्षय रोग से मुक्त हो चुकी है। टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान का उद्देश्य सक्रिय रूप से अज्ञात टीबी रोगियों को ढूंढ निकालना और टीबी के लक्षण मिलने पर जांच कराना एवं जांच में टीबी रोगी पाए जाने पर उसे चिकित्सक के पास भेजकर उपचार कराना है।

6 मानकों पर खरी उतरने वाली होगी टीबी मुक्त ग्राम पंचायत

1. 30 जांच प्रति वर्ष प्रति हजार जनसंख्या होंगी।
2. एक या एक से कम मरीज प्रति हजार प्रति वर्ष।
3. नोटिफाइड मरीजों में से 60 प्रतिशत की यूडीएसटी जांच होगी।
4. नोटिफाइड मरीजों की संख्या 100 प्रतिशत निश्चय पोषण योजना डीबीटी एनपीवाई होना जरूरी है।
5. सभी नोटिफाइड मरीजों को निक्षय मित्र द्वारा सपोर्ट मिलना जरूरी है।
6. डीएसटीबी मरीजों की 85 प्रतिशत से अधिक सक्सेस रेट होना आवश्यक है।

जिले में टीबी के मरीजों की स्थिति

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. कुलदीप मीणा ने बताया कि वर्ष 2019 में 2533 व्य क्ति टीबी रोग से मुक्त हुए है। इसी तरह वर्ष 2020 में 2205, वर्ष 2021 में 2259, वर्ष 2022 में 3181, वर्ष 2023 में 2899 रोगियों को क्षय रोग से मुक्ति दिलाई जा चुकी है।सामुदायिक जागरूकता के लिए स्कूल, कॉलेजों में कार्यशाला, ग्राम सभा में बैठकें, रैली, पीएचसी-सीएचसी पर रोगियों की बैठकें, आईईसी के माध्यम से प्रचार-प्रसार, टीबी रोगी को निक्षय मित्र द्वारा सामुदायिक सहायता के लिए पंचायत प्रतिनिधि, सांसद, विधायक, व्यापारियों एवं ट्रस्टों को निक्षय मित्र बनाया जा रहा है। सक्रिय टीबी रोगियों की खोज की जा रही है। वर्तमान मरीजों का पब्लिक हेल्थ एक्शन जैसे तम्बाकू, शुगर जांच, यूडीएसटी जांच आदि कराई जा रही हैं।

6 वर्षीय मोहम्मद फैजल शेख ने रखा पहला रोजा

बारां, (रॉयल पत्रिका)। रहमत, बरकत, मगफिरत व इबादत भरे रमजानुल मुबारक के पाक महीने में घर के बड़े बुजुर्गों के साथ छोटे बच्चे भी रोजा रखकर खुदा की इबादत कर रहे हैं। रविवार को 15 वें रोज़े विलादत हजरत ईमाम हसन के मुबारक मौके पर चना व्यापारी अखलाक शेख के बेटे 6 वर्षीय मोहम्मद फैजल शेख ने अपना पहला रोजा रखा। फैजल ने दिन भर इबादत की, मस्जिद में जाकर नमाज अदा की। शाम को रोजा अफतार के वक्त मुल्क में अमन चैन और खुशहाली की दुआ की। फिर रोजा अफतार किया। फैजल को दादा हाजी मुबारिक शेख, हाजी वहीद शेख, सगीर शेख, वसीम शेख, शानू शेख, साजिद शेख, अख्तार शेख, आरिफ शेख, इमरान शेख, इमरान फॉरवर्ड, शाहिद एम आर, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, आरिफ मुर्गा, संजय पठान आदि ने दुआओं से नवाजा और गिफ्ट भी दिए।

चूरू में होली और रमजान के दूसरे जुम्मे की नमाज में शांति और सद्भाव की मिसाल

चूरू, (मोहम्मद अली पठान)। चूरू जिला मुख्यालय पर प्रशासन की मुस्तैदी में रंगों का त्योहार होली उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया, वहीं माहे रमजान के दूसरे जुम्मे की नमाज भी शांति और भाईचारे के साथ अदा की गई। दोनों ही समुदायों ने एक-दूसरे को इंसानियत का पैगाम देते हुए गंगा-जमनी तहजीब को सराहा और इसे जिंदा रखा। होली के पर्व पर शहर के विभिन्न चौक-चौराहों जैसे गढ़ चौराहा, सफेद घंटाघर, सुभाष चौक, भाई जी चौक, चांदनी चौक, मोजासीया चौक, लाल घंटाघर, नई सड़क, पंखा सर्किल आदि स्थानों पर रंगों और गुलालों के साथ युवा नाचते-गाते और एक दूसरे को गुलाल लगाते हुए दिखे। महिलाओं ने भी शेखावत कॉलोनी, अग्रसेन नगर, नयाबास, वन विहार कॉलोनी, सैनिक बस्ती आदि स्थानों पर होली खेली और रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान सभी ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। वहीं, माहे रमजान के दूसरे जुम्मे की नमाज शहर की सभी मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय ने रोजा रखकर अल्लाह की इबादत की और नमाज अदा की। मस्जिदों में दोपहर बाद रौनक दिखाई दी और मुस्लिम समुदाय के लोग एकजुट होकर नमाज पढ़ने पहुंचे। माहे रमजान के जुम्मे का दिन मुस्लिम समुदाय के लिए विशेष होता है, जिसमें सभी रोजा रखते हैं और अल्लाह की पूजा करते हैं। शाम को कई स्थानों पर रोजा इफ्तारी का आयोजन हुआ, जहां सर्व समाज के लोग एक-दूसरे को होली और जुम्मा दोनों के अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए एकता और भाईचारे का संदेश फैलाते रहे।

रोजा रखने से ब्लड प्रेशर कम होता है और ब्लड शुगर लेवल बेहतर रहता है - डॉ. मुमताज अली कुरेशी

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित एच एन हॉस्पिटल के मालिक डॉक्टर मुमताज अली कुरैशी ने माह ए रमजान की मुबारकबाद देते हुए कहा कि रमजान का पवित्र महीना शुरू हो चुका है। इस्लाम धर्म को मानने वाले लोगों के लिए ये महीना काफी खास होता है। रमजान के महीने को सिर्फ रोजे यानी व्रत रखने तक ही नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि ये आत्म सुधार, धैर्य, परोपकार और आध्यात्मिक उन्नति का भी समय होता है। इस महीने रोजेदार (व्रत करने वाले लोग) झूठ बोलने, गुस्सा करने और बुरी आदतों से बचने की कोशिश करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रोजे रखने से बरकत मिलती है, दुआएं कुबूल होती हैं। वयस्कों से लेकर बुजुर्ग तक लगभग सभी रोजा रखते हैं। उपवास को अध्ययनों में सेहत के लिए कई प्रकार से लाभकारी बताया गया है।रमज़ान में 30 दिन रोज़ा रखने से कई फ़ायदे होते हैं। ये फ़ायदे शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों तरह के होते हैं।

शारीरिक फ़ायदेः

रोज़ा रखने से वज़न कम होता है, शरीर डिटॉक्स होता है, पाचन तंत्र को आराम मिलता है, ब्लड प्रेशर कम होता है। रोज़ा रखने से ब्लड शुगर लेवल बेहतर होता है, दिमाग व सेहत में सुधार होता है, इम्यून सिस्टम मज़बूत होता है, इंफ्लेमेशन कम होता है, प्रेलिन हार्मोन रेगुलेट होता है, जिससे भूख पर कंट्रोल रहता है।

रोजे रखने का सेहत पर असर:

रोजे रखने से शरीर पर लगभग उसी तरह से असर होता है जैसे इंटरमिटेंट फास्टिंग का। रोजे के दौरान लंबे समय तक बिना खाए रहने से पाचन तंत्र को आराम मिलता है।

इससे पेट की सफाई होती है और गैस, अपच और कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। यह नेचुरल तरीके से शरीर को डिटॉक्स करने में भी मदद करता है। रोजे के दौरान खान-पान को लेकर विशेष सावधानियां बरती जाती हैं, इससे मेटाबॉलिज्म तेज हो जाता है। जिससे शरीर पर जमा चर्बी को ऊर्जा में बदलने लगता है। यह वजन घटाने के लिए बहुत

फायदेमंद होता है। इस दौरान चूंकि आप दिनभर खाली पेट रहते हैं इसलिए वेट लॉस करने में काफी प्रभावी हो सकता है। रोजा मानसिक शांति में लाभदायक रोजा रखने से मन शांत रहता है, क्योंकि इसमें आध्यात्मिक ध्यान और संयम शामिल होता है। यह तनाव, चिंता और डिप्रेशन को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा इंसान के भीतर आत्मसंयम, धैर्य और सहनशीलता जैसे गुण विकसित होते हैं, जो मानसिक शांति और आत्मिक विकास में मददगार होते हैं।

पाली में आपसी सौहार्द के साथ मनाया होली पर्व

पाली (रॉयल पत्रिका)। पाली जिले में होली का पर्व भाईचारे, आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाही गैर के पास पाली जिले के मुस्लिम समाज के सदर हकीम भाई के नेतृत्व में विशेष आयोजन हुआ। मेहबूब भाई टी, सलीम भाई मिस्कीन के सहयोग से यह आयोजन कदम कदम पर आपसी भाईचारे का प्रतीक बना। गांव शाही गैर से यह परंपरागत जुलूस जोधपुरिया बारी से शुरू होकर पाली के प्यारे चौक पर आकर समाप्त हुआ। इस दौरान हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग एकजुट होकर एक दूसरे से गले मिले और होली की बधाई एवं मुबारकबाद दी। यह आयोजन हिन्द-मुस्लिम एकता का बेहतरीन उदाहरण बना। कार्यक्रम में पाली विधायक भीमराज भाटी, पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड, राकेश भाटी, आबिद चढ़वा, गुलाम मुस्तफा, इकबाल नागरवाला, असगर कुरैशी, दिनेश परिहार, हसन भाटी समेत कई प्रमुख जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा, जिसके लिए मुस्लिम समाज के सदर ने उनकी सराहना की।

चूरू मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एम एम पुकार के कार्यभार संभालने के बाद, चिकित्सा क्षेत्र में दिखने लगा असर

-किड़नी कैंसर से पीड़ित मरीज का चार घंटे में ऑपरेशन कर बचाई जान

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। चूरू स्थित राजकीय भरतीया अस्पताल में सर्जरी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है। यहाँ डॉक्टरों की टीम ने चार घंटे की जटिल सर्जरी करके एक किड़नी कैंसर से पीड़ित मरीज की जान बचाई। यह अस्पताल में इस प्रकार का पहला ऑपरेशन था। जानकारी के अनुसार, भंवरलाल नामक व्यक्ति दुबई में रहते हैं। वे पेट दर्द और पेशाब में खून आने की समस्या से परेशान थे। दुबई में जांच करने पर उनकी किड़नी खराब होने की पुष्टि हुई। बाद में वे इलाज के लिए अपने गांव सातड़ा लौट आए और 26 फरवरी को चूरू के डीबी अस्पताल में डॉक्टर मुकेश खेदड़ और डॉक्टर सुरेंद्र भड़िया से संपर्क किया। जांच में पता चला कि उनकी बायीं किड़नी में कैंसर का बड़ा ट्यूमर है। चूरू मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एम एम पुकार के नेतृत्व में सर्जरी टीम का गठन किया गया। 27 फरवरी को चार घंटे की जटिल सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने किड़नी को निकाल लिया। डॉ. खेदड़ के अनुसार, ट्यूमर ने किड़नी के 80 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित कर दिया था। 11 मार्च को भंवरलाल को पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस ऑपरेशन को आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क किया गया था।

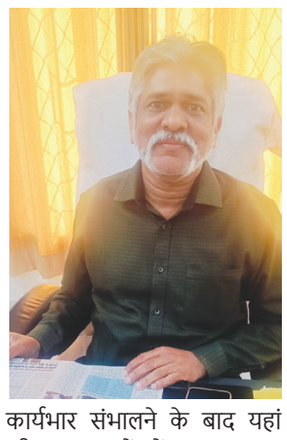

डॉ. पुकार के कार्यभार संभालने से अस्पताल में हो रहे हैं सुधार

डॉ. महेश मोहनलाल पुकार के चूरू मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल पद संभालने के बाद से अस्पताल की कार्यप्रणाली में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। अब जटिल ऑपरेशन जैसे कि किड़नी कैंसर के ऑपरेशन यहां पर किए जा रहे हैं, जिससे मरीजों को जयपुर या बीकानेर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। चूरू में भरतीया अस्पताल हमेशा से एक रेफरल अस्पताल के रूप में जाना जाता था, लेकिन डॉ. पुकार के कार्यभार संभालने के बाद यहां की व्यवस्थाओं में बहुत सुधार हुआ है। शहर और जिले में इन सुधारों की बहुत सराहना हो रही है, और अब अस्पताल में उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। डॉ. एम एम पुकार के कार्यभार संभालने से न केवल चूरू अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं में सुधार हुआ है, बल्कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर इलाज की सुविधा भी मिल रही है।

होली और माहे रमजान के जुम्मे के मौके पर हिन्दू-मुस्लिम भाईयों ने एक-दूसरे को दी बधाई व शुभकमानाएँ

-रमजान के दूसरे जुम्मे की नमाज में मस्जिदों में उमड़ा नमाजियों का जनसमुह

-होली और माहे रमजान के जुम्मे के मौके पर हिन्दू-मुस्लिम भाईयों ने एक-दूसरे को दी बधाई व शुभकमानाएँ

जोधपुर,(रॉयल पत्रिका)। रहमतों व बरकतों के महीने में जोधपुर की ईदगाह बड़ी मस्जिद सहित तमाम मस्जिदों व इबादतगाहों में रमजान के दूसरे जुम्मे की नमाज अदा की गई। हर मस्जिद में रमजान के दूसरे जुम्मे की नमाज अदा करने के लिये शहर ए जोधपुर के नमाजियों का जनसमुह उमड़ा कि मस्जिदों में लगाये शमियाने दिखने लगे। बड़ी ईदगाह मस्जिद के पेश इमाम व खतीब मौलाना मोहम्मद हुसैन अशरफी ने रमजान में जुम्मे के दिन व जुम्मे की नमाज की नेकियों के बारे में बताते हुए कहा कि इस्लाम की बुनियाद अल्लाह रब्बुल आलमीन ने पांच चीजों पर रखी है, जिनमें तौहीद (अल्लाह को एक मनाना, उसकी जात में किसी दूसरे को शरीक न करना एवं अल्लाह के नबी मुहम्मद सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम को आखिरी रसुल मनाना), नमाज (हर मुसलमान मर्द और औरत पर पांच वक्त की नमाज फर्ज है), रोजा (माहे रमजान में रोजे रखना), जकात (हर साहिबे निसाब यानि जिसके पास साढ़े सात तोला सोना या साढ़े बावन तोला चांदी या उसके बराबर रकम है तो अपने माल की जकात देना) व हज (जिन्दगी में एक बार करना, शर्त यह है कि हज पर जाने वाले के पास इतना पैसा होगा कि वह हज के दौरान रहन-सहन व आने जाने का खर्च उठा सके)। संस्थान प्रवक्ता शौकत अली लोहिया ने बताया कि आध्यात्मिक इस्लामी संस्थान दारूल उलूम इस्हाकिया मुफ्ती ए आजम राजस्थान मुफ्ती शेर मोहम्मद रिजवी ने कहा कि रमजान के जुम्मे को ईद जैसे

माहौल में जुम्मे की नमाज को निहायत अदब ओ एहतराम (संजीदगी व शांति के साथ) के साथ अदा की गई। जुम्मे की नमाज को अदा करने के लिये नमाजियों ने सुबह जल्दी से ही तैयारियां शुरू कर दी। मस्जिदों व इबादतगाहों में नमाजियों के लिए इंतेजामिया कमेटियों द्वारा खास इन्तजाम किये गये। जालोरी गेट बडी ईदगाह, खेतानाड़ी ईदगाह, चीरघर स्थित मदरसा अशफाकिया मस्जिद, बम्बा बडी व छोटी मस्जिद, उदयमंदिर, आसन, नागौरी गेट, सिवांची गेट, लाखरान सहित सैकड़ों मस्जिदों में नमाजियों का जनसमुह देखने लायक था। अजान की आवाज के साथ ही नमाजी घरों व अपने-अपने काम-काज छोड़कर मस्जिद की ओर रूख कर लिया और देखते-देखते मस्जिदें नमाजियों से भर गई। बच्चियों ने घरों में अपनी वालिदा (माँ) तो बच्चों ने मस्जिदों में अपने वालिद (पिता) के साथ मस्जिद में नमाज अदा की और एक-दूसरे को रमजान के मुबारक महिने के दूसरे जुम्मा की गले लग मुबारकबाद पेश की। ईदगाह क्षेत्र के पास स्थित ब्रह्मबाग, सिंधी मोहल्ला, हाकम बाग व आस-पास के क्षेत्र में हिन्द भाईयों द्वारा होली का पर्व रंगोत्सव भी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। होली और माहे रमजान के जुम्मे के मौके पर हिन्द-मुस्लिम भाईयों ने एक-दूसरे को बधाई व शुभकमानाएँ देकर आपसी भाईचारगी व सौहार्द की मिसाल पेश की। रमजान में जुम्मे की अहमियत - जुम्मे के दिन को छोटी ईद कहा जाता है और जुम्मे के दिन को सारे दिनों का सरदार कहा जाता है। जुम्मे के नमाज के दिन मुसलमान नहा धोकर, इत्र (खुशबु) लगाकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों से समय निकालकर नमाज अदा करने के बाद देश के लिए अमनो-चौन की दुआ करने व गरीबों, मिस्कीनों की मदद करने के साथ आपस में एक-दूसरे को मुबारकबाद देता है। रोजों की बड़ी अहमियत व फजीलत अहादीस में बताई गई है। रमजान का महीना आते ही रहमत के सारे दरवाजे खोल दिये जाते है और जहन्नुम के दरवाजों को बन्द कर दिया जाता है। शैतानों को जंजीरों में बांध दिया जाता है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के पाली निवास स्थान पर हुआ होली मिलन समारोह

पाली, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पाली निवास स्थान पर होली स्नेह मिलन कार्यक्रम में उनके निवास पर प्रदेश व जिले भर से जनप्रतिनिधिगण व पदाधिकारीगण तथा कार्यकर्तागण होली की बधाई व शुभकामनाएं देने पहुचे। दो दिन लगातार शुभकामनाएं देने की भीड रही, सभी सम्मानित कार्यकर्तागण के साथ प्रदेश अध्यक्ष ने होली मनाई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओ की पार्टी है, हमारा कार्यकर्ता सेवा व समर्पण भाव से आमजन की सेवा मे तत्पर रहता है। उन्होने देश व प्रदेश के सभी सम्मानित जनप्रतिनिधिगण व पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण तथा आमजन को होली की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी, पुर्व सांसद पुष्प जैन, पुर्व सभापति महेंद्र बोहरा, पुर्व न्यास अध्यक्ष सजय ओझा, नरेश ओझा, राजेंद्र सिह कोलीवाडा, रामकिशोर साबु, शिवपकाश प्रजापत, मानवेंद्र सिंह भाटी, सुरेश पवार, प्रेमसिह महेचा, राकेश पंवार, पियुश शर्मा, मुन्ना मकरानी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिन्दू मुस्लिम भाईयों ने एक-दूजे को गले लगाकर मिठाईयों का आदान-प्रदान कर दिया गंगा-जमुनी तहजीब का संदेश

-13 महिने की नन्ही परी माहीनूर खान ने की हिन्दू-मुस्लिम समुदाय को शुभकामनाएं प्रेषित

लाडनूं, (रॉयल पत्रिका)। होली के पावन पर्व एवं माह ए रमज़ान के पाक महीने में क्षेत्र में गंगा-जमुनी तहजीब का एक अनुठा उदाहरण देखने को मिला। होली की रामा-श्यामा के अवसर पर रोजेदार मुस्लिम भाईयों ने हिन्द समुदाय के लोगों के घर जाकर होली की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। लाडनूं विधायक मुकेश भाकर के निजी आवास पर होली के पावन पर्व पर आयोजित रंगारंग होली स्नेह मिलन समारोह मैं सैकड़ों की तादाद में हिन्द समुदाय के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे, तो वहीं यहां पर मुस्लिम भाइयों के रोज़े का खास ख्याल रखा गया। तो वहीं मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी होली के पावन पर्व का विशेष ध्यान रखते हुए एक-दुजे को गले लगा कर होली स्नेह मिलन कार्यक्रम में हिस्सा लेकर हिन्द समुदाय के सभी नागरिकों के साथ आपसी चर्चा करते हुए आपसी भाईचारा और सादगी की मिसाल कायम की। विधायक मुकेश भाकर ने होली स्नेह मिलन समारोह में रोजेदार भाईयों का विशेष तौर से खास रखा तथा उपस्थित हिन्द समुदाय के नागरिकों ने मुस्लिम भाइयों को रमजान मुबारक माह की मुबारकबाद देते हुए अपनी खुशी का इजहार किया तथा कौमी एकता और आपसी भाईचारा कायम रखने का संकल्प दोहराया। तथा एक दुसरे के दुख दर्द में काम आने, क्षेत्र में हिन्द मुस्लिम समुदाय के बीच बने आपसी भाईचारे को सदा कायम रखने व कानून व्यवस्था और शांति व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी ने कहा की विधानसभा क्षेत्र लाडनूं में अपनापन और आपसी भाईचारा हमेशा प्रेरणादायक रहा है। जो यह साबित करता है की सांस्कृतिक विरासत आज भी जीवंत और इसे कोई कमजोर नहीं कर सकता। कुछ चुनिंदा असामाजिक लोग धर्म के नाम पर बंटवारे की रेखाएं खींचने की कोशिश करते हैं, तब सर्वसमाज के आम लोग एकता और अखंडता तथा आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करने का जनसंदेश देते हैं की त्यौहार मनाने का असली मकसद एक दुजे से जुड़ना है, न की दुरियां बढ़ाना। रमजान और होली के इस अनोखे संगम ने यह साबित कर दिया है की धर्म का असली रूप प्रेम, सौहार्द, और इंसानियत है, न की नफ़रत और बंटवारा । जिस तरह गुलाल के रंग और रमजान में इबादत एक साथ घुलती दिखी, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहद प्रेरणादायक व अनुकरणीय है। कायमखानी ने कहा की रंगों का कोई धर्म नहीं होता, ये सिर्फ खुशियों के प्रतीक होते हैं। हर धर्म ने अपने अलग-अलग रंग चुनें है। लेकिन जब होली आती तो यह हर सीमाओं को तोड़ते हुए केवल प्रेम, एकता और इंसानियत का संदेश देती है, जिसके रंग में सभी सराबोर नजर आते हैं। जब कोई मुसलमान भाई अपने हिन्द भाईयों और दोस्तों के साथ होली खेलता है या जब कोई हिन्द भाई अपने मुस्लिम भाइयों को रोजा इफ्तार के लिए बुलाता है, तभी यह त्योहार अपने असली रूप से आपसी भाईचारा और सादगी के साथ एक-दुसरे के साथ कदम से कदम मिलाकर मनाया जाता है।

नन्ही माहीनूर खान ने हिन्द-मुस्लिम समुदाय को दीं शुभकामनाएं:

इस दौरान लाडनूं क्षेत्र की 13 माह की नन्ही परी माहीनूर खान ने लाडनूं विधायक मुकेश भाकर के अलावा होली स्नेह मिलन समारोह में सामिल हुए हिन्द समुदाय के नागरिकों को होली की शुभकामनाएं प्रेषित की वहीं माहीनूर खान ने मुस्लिम समुदाय के सभी नागरिकों को रमजान पाक माह की मुबारकबाद प्रेषित कर क्षेत्र में एक बहुत ही अनूठी और सराहनीय मिसाल कायम की है जिसे छेत्र की जनता सदैव याद करती रहेगी, इस अवसर पर उपस्थित सभी समुदायों के नागरिकों ने माहीनूर खान को अपनी गोद में लेकर अपना आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य की अल्लाह ईश्वर से प्रार्थना और कामना की है। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जयराम बुरड़क, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य कैलाश निठारवाल, पंचायत समिति प्रधान हनुमानाराम कासनियां, पंचायत समिति उप प्रधान प्रतिनिधि कालूराम गेनाणा, कांग्रेस नेता लियाकत अली, नगर पालिका अध्यक्ष रावत खां, नगर पालिका उपाध्यक्ष मुकेश खिंची, विजय कुमार, अयुब खां, सलीम खां, आरीफ खां, मुकेश कुमार, हारून बड़गुजर, जावेद अख्तर, सुरजाराम भाकर सहित सर्वसमाज के अनेक गणमान्य नागरिको के अलावा क्षेत्र के जनप्रतिनिधी और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी आदी मौके पर उपस्थित रहे।

रोजा इफ्तार की दावत में काफी संख्या में रोजेदारों ने दुआएं कर खोला रोजा

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित भाई जी चौक राणा जी का नोहरा में रोजा इफ्तार की दावत का आयोजन हुआ। जिसमें शहर के काफी संख्याओं में लोगों ने रोजा खोला ओर नमाज अदाकर दावत का लुत्फ उठाया एवं अमन चैन शांति भाईचारे एवं ख़ुशहाली की दुआएं की। रोजा इफ्तार की दावत का आयोजन समाजसेवी मोहम्मद अली राणा, फारूक राणा, और महमूद अली राणा की तरफ से किया गया। जिसमें शहर के गणमान्य नागरिक रियाजत खान, अलाउद्दीन दौलतखानी ,डॉ एफ एच गोरी, डॉ एहसान गोरी, डॉ अख्तर खान, शायर ईदरिश राज खत्री, शायर अब्दुल मन्नान, हाजी फजलेहक चौहान, मुबारक भाटी, मोहम्मद अली पठान, शोएब खान डीके, फारूक चौहान, महबूब खान नसवान, अयूब खान चायल, इलियास राणा, यूनुस रंगरेज, नौशाद खान सामदखानी, शोएब खान, शाहनवाज खान, सफीक खान आदि ने शिरकत की।

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा जावर माइंस में बुक फॉर फ्रेंड्स कार्यक्रम आयोजित

-सीएसआर के शिक्षा संबल की पहल के तहत् विद्यार्थियों को किताबें पढ़ने के लिया प्रोत्साहित

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा संबल कार्यक्रम के तहत जावर माइन्स में बुक फॉर फ्रेंड्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें तीन स्कूलों - जीएसएसएस नेवतलाई, जीएसएसएस सिंघटवाड़ा और जीजीएसएसएस रामनगर के सौ से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में छात्रों में न केवल किताबें पढ़ने बल्कि अपने दोस्तों के साथ किताबें साझा करने और एक साथ सीखने के लिए प्रोत्साहित करके उनमें पढ़ने की आदत डालने के उद्देश्य से गतिविधियाँ शामिल थीं। कार्यक्रम में आईबीयू सीईओ जावर माइन्स राम मुरारी, डीईओ सलूंबर कमलेश पटेल, और सीबीईओ, झल्लारा परितोष शर्मा उपस्थित थे। राम मुरारी ने व्यक्तिगत और व्यावसायिक मोर्चों पर सफल होने के लिए अच्छे संचार कौशल के महत्व के बारे में जानकारी दी एवं कौशल विकास में पढ़ने की भूमिका पर

बल दिया। उन्होंने कहा कि इस पहल के प्रति छात्रों का उत्साह शिक्षा संबल और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में हिन्दस्तान जिंक के निरंतर प्रयासों का प्रतिबिंब है। कमलेश पटेल ने जावर माइंस क्षेत्र के आसपास के समुदाय के लिए शिक्षा संसाधनों में सुधार की दिशा में हिन्दस्तान जिंक के प्रयासों की सराहना की, साथ ही बच्चों के शैक्षणिक और सामान्य विकास में सक्रिय पढ़ने के महत्व पर जोर दिया। छात्रों ने उनसे पढ़ने और पुस्तक से सीखने के अपने अनुभव साझा किए। इस कार्यक्रम में विद्या भवन सोसायटी के निदेशक सुभाष शर्मा के साथ विद्या भवन के अन्य वरिष्ठ संसाधन व्यक्ति, हिन्दस्तान जिंक के वरिष्ठ प्रतिनिधि और राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य भी शामिल हुए

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने शुरू की 'स्लोगन लिखो, ईनाम पाओ' ऑनलाइन प्रतियोगिता

-गूगल लिंक पर किसी भी आयु वर्ग के व्यक्ति लिख सकते हैं उपभोक्ता जागरूकता पर स्लोगन

- चयनित श्रेष्ठ स्लोगन के लेखक को मिलेगा नकद ईनाम

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। उपभोक्ता जागरूकता सप्ताह के तहत जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग झुंझुनूं द्वारा उपभोक्ता जागरूकता पर ऑनलाइन 'स्लोगन लिखो ईनाम पाओ' प्रतियोगिता आयोजित की गई है। जिला आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने बताया कि आयोग द्वारा जारी किए गए गूगल लिंक https://forms.gle/y4fu9hhdeecxG-bYCA पर क्लिक करके जिले का कोई भी व्यक्ति (किसी भी आयु वर्ग का) इसमें हर खरीद पर बिल लेने, सही तौल, एमआरपी पर तोल-मोल, एक्सपायरी डेट वस्तुएं नहीं बेचने या खरीदने, धोखाधडी पर उपभोक्ता आयोग में शिकायत, सेवादोष समेत उपभोक्ता जागरूकता के विभिन्न मुद्दों पर स्लोगन लिखकर सबमिट कर सकता है। चयनित श्रेष्ठ स्लोगन लिखने वाले विजेताओं को जिला स्तरीय कार्यक्रम में नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा

इफ्तार के जरिए भाईचारे की मिसाल पेश करतीं नेहा भारती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रमजान का पाक महीना चल रहा है, और इस मौके पर देशभर से सहरी, इफ्तार और नमाज की खूबसूरत तस्वीरें सामने आ रही हैं। ऐसे में दिल्ली की एक लड़की अपनी मेहनत और नेकियों से दिल्ली के जामा मस्जिद में एक खास पैगाम दे रही है। यह लड़की है नेहा भारती, जो पिछले तीन सालों से रमजान के महीने में जामा मस्जिद में रोजेदारों के लिए इफ्तार का आयोजन कर रही हैं। वह अपने इस नेक काम के जरिए न सिर्फ हिंदू-मुसलमान भाईचारे का प्रतीक बन चुकी हैं, बल्कि समाज में एकता और मोहब्बत का संदेश भी फैला रही हैं।

नेहा भारती पुरानी दिल्ली के चावड़ी मोहल्ले की रहने वाली हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय से अपनी पढ़ाई पूरी कर रही हैं। जब 2014 के बाद देश में एक खास समुदाय के खिलाफ नफरत और तनाव बढ़ने लगे, तो नेहा ने ठान लिया कि वह इस नफरत को मोहब्बत से हराएंगी। उनका मानना है कि हमारे समाज में शांति और एकता बनाए रखने के लिए हमें एक-दूसरे के त्योहारों का सम्मान करना चाहिए और इंसानियत की सेवा में अपना योगदान देना चाहिए। नेहा ने अपनी इस सोच को असलियत में बदलने के लिए जामा मस्जिद में इफ्तार का आयोजन शुरू किया। वह रोजेदारों के लिए इफ्तार तैयार करती हैं, ताकि वे रमजान के इस खास महीने में अपनी भूख और प्यास का मुकाबला कर सकें।

नेहा का इफ्तार बांटने का तरीका बहुत खास है। वह सिर्फ रोजेदारों के लिए इफ्तार नहीं तैयार करतीं, बल्कि अलग-अलग तरह के स्वादिष्ट खाने लाती हैं ताकि लोग एक ही चीज से बोर न हो जाएं। इस प्रयास से यह दिखता है कि नेहा सिर्फ भोजन नहीं बांटतीं, बल्कि वह लोगों को एक-दूसरे के प्रति प्यार और समर्पण का अहसास भी दिलाती हैं। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें सोशल मीडिया पर भी पहचान दिलाई है, जहां लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं और उनके इस नेक काम में मदद भी कर रहे हैं। अब उनका यह इफ्तार आयोजन दिन-ब-दिन बड़ा होता जा रहा है, और इसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोग भी योगदान दे रहे हैं।

नेहा ने अपने माता-पिता का भी खास धन्यवाद किया, जिन्होंने इस नेक काम में उनका साथ दिया। वह बताती हैं, "मेरे माता-पिता हमेशा मुझे यह सिखाते रहे हैं कि नफरत में कुछ नहीं रखा, हमें जितना हो सके, मोहब्बत बांटनी चाहिए।" उनके परिवार ने भी इस काम में अपनी भूमिका निभाई है। घर पर स्वादिष्ट खाने से लेकर इफ्तार तैयार करने तक, पूरा परिवार एकजुट होकर इस काम को अंजाम दे रहा है।

रमजान सिर्फ मुसलमानों के लिए नहीं

नेहा का मानना है कि रमजान का महीना सिर्फ मुसलमानों के लिए नहीं है, बल्कि यह पूरी इंसानियत के लिए रहमत का महीना है। उनका कहना है, "हम सभी को एक-दूसरे के त्योहारों का सम्मान करना चाहिए और इंसानियत के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।" उनकी यह सोच समाज में एकता और भाईचारे के महत्व को उजागर करती है।

उनका यह भी मानना है कि दुनिया में चाहे जितनी भी नफरतें फैल जाएं, मोहब्बत हमेशा जिंदा रहेगी। वह कहती हैं, "दुनिया के जिस भी कोने में नफरत बढ़ी है, वह देश बर्बाद हो गया है, लेकिन जिन देशों में मोहब्बत है, वहां हमेशा शांति और समृद्धि रहती है। यही वजहहै कि मैं इस काम को जारी रख रही हूं।"

शुरुआत में जब नेहा ने यह काम शुरू किया था, तो कई रिश्तेदारों और जानने वालों ने उनका मजाक उड़ाया था, लेकिन नेहा ने किसी की परवाह नहीं की और अपने रास्ते पर चलती रहीं।

आज वह एक मिसाल बन चुकी हैं, जो न सिर्फ अपने समुदाय के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं।

हिंदू-मुसलमान भाईचारे का प्रतीक

नेहा भारती का यह प्रयास हिंदू-मुसलमान भाईचारे की मिसाल बन चुका है। उनके इस नेक काम में कई हिंदू मित्रों ने भी सहयोग दिया है, जिन्होंने इफ्तार आयोजन में मदद की और मोहब्बत के इस संदेश को फैलाने में योगदान दिया। यही वजह है कि नेहा का नाम आज हर किसी की जुबां पर है और लोग उनकी सराहना करते हैं।

रमज़ान: इबादत, आत्मसंयम और समाज सेवा का महीना

रमज़ान का पवित्र महीना मुसलमानों के लिए इबादत, आत्मसंयम और परोपकार का प्रतीक है। यह महीना न केवल रोज़े रखने और अल्लाह की इबादत करने का समय है, बल्कि अपने अंदर इंसानियत और दूसरों की मदद का जज़्बा पैदा करने का भी अवसर है। रमज़ान हमें यह सिखाता है कि भूख और प्यास का अनुभव कर हम उन लोगों की तकलीफ को समझ सकें, जो हर दिन इन समस्याओं से जूझते हैं। रोज़े के दौरान मुसलमान सुबह से लेकर शाम तक बिना कुछ खाए-पिए रहते हैं। यह आत्मसंयम का अभ्यास है, जो इंसान को अपनी इच्छाओं पर काबू पाना सिखाता है। लेकिन रमज़ान का असली मकसद केवल इबादत तक सीमित नहीं है। यह महीना हमें अपने समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद करने की प्रेरणा भी देता है। रमज़ान के दौरान ज़कात और फितरा का विशेष महत्व है। ज़कात, जो आय का एक निश्चित हिस्सा होता है, गरीबों और जरूरतमंदों की मदद के लिए दिया जाता है। इसी तरह, फितरा ईद से पहले दिया जाने वाला दान है, ताकि हर व्यक्ति ईद की खुशियों में शामिल हो सके। यह परंपरा हमें सिखाती है कि समाज में कोई भी व्यक्ति भूखा या वंचित न रहे। इस पवित्र महीने में कई लोग सामूहिक इफ्तार का आयोजन करते हैं, जहां गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन कराया जाता है। रमज़ान का यह संदेश है कि हम अपने आसपास के लोगों की तकलीफों को समझें और उनकी मदद करें। रमज़ान केवल इबादत का महीना नहीं, बल्कि समाज सेवा और इंसानियत को बढ़ावा देने का समय है। यह हमें सिखाता है कि दूसरों की मदद करना ही सच्ची इबादत है।

डॉ. मोहम्मद शोएब
(प्रदेश सचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, राजस्थान)

रोज़ा इफ्तार पार्टी में पहुंची दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रमजान का महीना चल रहा है और नेताओं द्वारा अपने आवास पर इफ्तार पार्टी का आयोजन किया जा रहा है। इसी बीच दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन और बीजेपी नेता कौसर जहां ने शनिवार को अपने आवास पर इफ्तार पार्टी का आयोजन किया। इसमें बीजेपी के नेताओं के साथ सीएम रेखा गुप्ता ने इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित इफ्तार पार्टी में भाग लिया, जहां उन्होंने देश में सामाजिक सद्भाव और एकता के महत्व को रेखांकित किया।

इफ्तार पार्टी में बोलते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि "देश को सामाजिक सद्भाव के साथ आगे बढ़ना चाहिए। भारत सबसे बड़ा लोकतंत्र है और हम सभी को शांति और सामाजिक सद्भाव के साथ आगे बढ़ना चाहिए।" कार्यक्रम की मेजबानी दिल्ली राज्य हज समिति की अध्यक्ष कौसर जहां ने की, जिन्होंने इस अवसर पर विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के एक साथ आने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि होली के ठीक एक दिन बाद इफ्तार में बड़ी संख्या में लोगों का शामिल होना, जिसमें सीएम रेखा गुप्ता भी शामिल हैं, इस बात का प्रतीक है कि हमारा देश प्रेम और सद्भाव के एक खूबसूरत धागे में बंधा हुआ है। होली और जुम्मा की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर पहुंचने पर, सीएम रेखा गुप्ता को 'इफ्तार पार्टी' में भाग लेने के लिए दिल्ली राज्य हज समिति की कौसर जहां के साथ गले मिलते देखा गया। इस कार्यक्रम में अन्य मंत्रियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि होली और रमज़ान का महीना भाईचारे और सद्भावना को बढ़ावा देता है। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, "यह एक खुशी का अवसर है कि हमारी स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष ने यहां इफ्तार पार्टी का आयोजन किया है। यह बैठक इस बात का उदाहरण है कि सरकार किस तरह से दिल्ली में सामूहिक रूप से अच्छे इरादों के साथ काम करने जा रही है।" अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "रमज़ान का महीना चल रहा है और हर जगह इफ्तार पार्टियों का आयोजन किया जा रहा है। आज हम दिल्ली हज समिति की अध्यक्ष कौसर जहां द्वारा आयोजित पार्टी में मौजूद हैं। मैं सभी से एक साथ रहने और खुश रहने की अपील करता हूं।" इफ्तार पार्टी में बीजेपी नेता शाहनवाज़ हुसैन, मुस्तफाबाद से विधायक मोहन सिंह बिष्ट, सांसद कमलजीत सहरावत और जफर इस्लाम भी पहुंचे। सभी ने खजूर खाकर अपना रोजा खोला और इफ्तार किया। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और मंत्री प्रवेश वर्मा ने भी इफ्तार आयोजन में शिरकत की। इसके अलावा, किरेन रिजिजू और विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता भी कौसर जहां की इफ्तार पार्टी में पहुंचे।

कर्नाटक में मुस्लिम कॉन्ट्रैक्टर्स को सरकारी टेंडर्स में 4% रिजर्वेशन मंजूर

बेंगलुरु,(एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की कैबिनेट ने हाल ही में कर्नाटक पारदर्शिता सार्वजनिक खरीद (केटीपीपी) अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दे दी है, जिससे 2 करोड़ रुपये तक की निविदाओं के लिए मुस्लिम ठेकेदारों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण का रास्ता साफ हो गया। हालांकि, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि यह कोटा सिर्फ मुसलमानों के लिए नहीं बल्कि सभी अल्पसंख्यकों के लिए है। उन्होंने स्पष्ट किया, "अल्पसंख्यकों में ईसाई, जैन, पारसी और सिख भी शामिल हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए भी अनुबंध आरक्षण प्रदान करने के लिए संशोधन किया गया है।

इस संशोधन में पिछड़ी जातियों की 2बी श्रेणी के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को विशेष रूप से अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित किया गया है। यह सरकारी विभागों, निगमों और एजेंसियों में सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और श्रेणी-1 और श्रेणी-2ए के तहत मौजूदा श्रेणियों के अतिरिक्त है। संशोधन के तहत अनुबंध मूल्य सीमा को भी 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिससे छोटे ठेकेदारों को अधिक अवसर मिलेंगे।

कांग्रेस विधायक रिजवान ने कहा कि कांग्रेस हर अल्पसंख्यक समुदाय खासकर समाज के कमजोर वर्ग को बराबर के मौके देना चाहती है। उन्होंने कहा कि ऐसा करना तुष्टिकरण की राजनीति नहीं है और ठेकेदारी के पूरे कारोबार पर अपर क्लास का दबदबा है। वहीं भाजपा का कहना है कि यह नीति धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण है और इससे समाज में दरार पैदा होगी। वहीं, कांग्रेस का तर्क है कि यह निर्णय सामाजिक न्याय को ध्यान में रखते हुए लिया गया है और इससे पिछड़े अल्पसंख्यक समुदायों को आर्थिक अवसर मिलेंगे। इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस जारी है और आगामी चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा बन सकता है। भाजपा इस फैसले के खिलाफ कानूनी कदम उठाने पर भी विचार कर रही है।

एएमयू की डॉ. समन ज़हरा को यंग साइंटिस्ट अवार्ड मिला

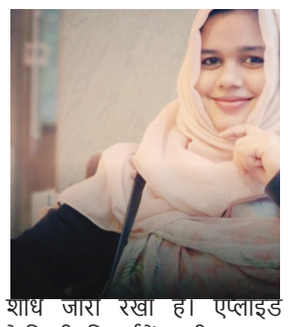

अलीगढ़, (एजेंसी)। हैदराबाद की मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस इन केमिस्ट्री 2025 (ICC) के दूसरे संस्करण में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) की रिसर्चर डॉ. समन ज़हरा को यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. समन ने "स्मार्ट मल्टी-फंक्शनल कोटिंग्स फॉर कंट्रोल्ड कॉरोज़न प्रोटेक्शन" पर काम किया है। यह शोध टिकाऊ (सस्टेनेबल) मेटीरियल्स के क्षेत्र में एक बड़ा योगदान माना जा रहा है, जो धातुओं को जंग से बचाने में मदद करेगा। डॉ. समन वीमेन साइंटिस्ट प्रोग्राम (WOS-A) के तहत एएमयू के एप्लाइड केमिस्ट्री डिपार्टमेंट में शोध कर रही हैं। यह प्रोग्राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST), भारत सरकार द्वारा चलाया जाता है। उन्होंने एएमयू में प्रोफेसर मोहम्मद मोबिन के मार्गदर्शन में पीएचडी पूरी की और अब प्रोफेसर रईस अहमद की देखरेख में अपना शोध जारी रखा है। एप्लाइड केमिस्ट्री डिपार्टमेंट की स्थापना 1958 में इंजीनियरिंग फैकल्टी में हुई थी। शुरुआत में यह एप्लाइड साइंसेज का हिस्सा था, जिसे बाद में केमिस्ट्री, फिजिक्स और मैथ्स तीन अलग-अलग सेक्शन में बांट दिया गया। साल 1988 में केमिस्ट्री सेक्शन को पूर्ण डिपार्टमेंट का दर्जा मिला। यह अवार्ड डॉ. समन की मेहनत और एएमयू के शोध कार्यों की गुणवत्ता को दिखाता है। उनका यह कदम न केवल युवा वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणा है, बल्कि देश में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए श्रीराम ऑफसेट, 6-शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड़, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com